RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22
सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 07 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 19 अक्टूबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

मल्लिकार्जुन खड़गे बने कांग्रेस सुप्रीमो, 24 साल बाद गांधी परिवार से बाहर का बना अध्यक्ष

नई दिल्ली (एसकेपी न्यूज)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नए अध्यक्ष का चुनाव हो गया है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव जीत लिया है। इस पद के लिए केरल के कांग्रेस लीडर शशि थरूर व खड़गे के बीच मुकाबला था। इसमें वरिष्ठता युवा जोश पर भारी पड़ गई। मल्लिकार्जुन खड़गे को 8000 वोट मिले और थरुर को महज 1020 लोगों का समर्थन मिला। इसके साथ ही 24 साल बाद कांग्रेस को गांधी परिवार से बाहर का नेता अध्यक्ष के रूप में मिला है।

देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस को नया अध्यक्ष मिल गया। सुबह 10 बजे से कांग्रेस के राष्ट्रीय दफ्तर में वोटों की गिनती शुरू हुई। मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर के बीच हुए कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए 17 अक्टूबर को मतदान हुआ था। 9,915 में से 9,500 से ज्यादा डेलिगेट्स ने वोट किया था। दोपहर 1:30 बजे तक वोटो की गिनती पूरी होने के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे को अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। इसके 24 साल बाद पहली बार ऐसा हुआ जब पार्टी को गांधी परिवार से बाहर का अध्यक्ष मिला। इससे पहले सीताराम केसरी गैर गांधी अध्यक्ष रहे थे। यही नहीं कांग्रेस के 137 साल के इतिहास में अध्यक्ष पद के लिए 6वीं बार चुनाव हुआ।

बीएसपी सहित सेल कर्मियों को पहली बार मिलेगा बड़ा तोहफा

40 हजार 500 बोनस, दो किस्तों में होगा भुगतान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) सहित सभी इकाईयों में कार्यरत कर्मियों को इस बार बोनस के रूप में 40 हजार 500 दिए जाएंगे। यह राशि दो किस्तों में अदा की जाएगी। सेल के इतिहास में पहली बार इतनी राशि संयंत्र कर्मियों को बोनस के रूप में दी जा रही है। चार दौर की बैठक के उपरांत सेल प्रबंधन ने अंततः 40 हजार 500 बोनस देने की स्वीकृति प्रदान की है।

पहली किस्त में मिलेगी 28 हजार

बीएसपी कर्मियों को पहली किस्त के रूप में फिलहाल 28 हजार का भुगतान किया जाएगा। मार्च 2023 के पूर्व शेष राशि 12 हजार 500 का भुगतान संयंत्र कर्मियों को किया जाएगा। बोनस का निर्धारण होने के बाद श्रमिक संगठनों ने अपने-अपने केंद्रीय नेताओं को श्रेय दिया है।

एनजेसीएस बैठक में बनीं सहमति

नई दिल्ली में मंगलवार को 'सेल' प्रबंधन व यूनियन के मध्य नेशनल ज्वाइंट कमेटी फॉर स्टील सेक्टर (एनजेसीएस) की लंबी चली बैठक के बाद 40500 बोनस देने पर सहमति बनी। सेल प्रबंधन जहां 29 हजार 500 देना चाह रहा था वहीं श्रमिक संगठन 44 हजार से कम की राशि पर समझौता करने को तैयार नहीं थे।

डायरेक्टर पर्सनल ने सभी श्रमिक नेताओं से की बात, तब तय हुई राशि

बैठक में एक समय सेल प्रबंधन व यूनियन के नेताओं के बीच बोनस की राशि को लेकर काफी तनातनी हुई। सेल डायरेक्टर पर्सनल केके सिंह ने यूनियन के नेताओं से बात की। जिसके बाद यूनियन और सेल प्रबंधन के बीच सहमति बनी कि संयंत्र कर्मियों को 40 हजार 500 की राशि बोनस के रूप में दो किस्तों में भुगतान की जाएगा। पहली किस्त में 28 हजार तथा दूसरी किस्त मार्च 2023 से पूर्व 12 हजार 500 का भुगतान कर दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने सभी को पछाड़ा

आईएएनएस-सी वोटर के सर्वे में भूपेश बघेल बने नंबर-1

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक और मील का पत्थर पार किया है। देशभर में हुए एक सर्वे में सीएम भूपेश बघेल नंबर 1 मुख्यमंत्री के तौर पर चुने गए हैं। यह आईएएनएस-सी वोटर द्वारा देशभर किया गया। इस सर्वे में यह सामने आया कि भूपेश बघेल सर्वप्रिय नेता हैं और उनकी योजनाओं से लोग खुश हैं। सर्वे में कई बिंदुओं पर लोगों से चर्चा की गई और इसके बाद नतीजे जारी हुए। इस सर्वेक्षण में सुशासन के सभी सांकेतकों को आधार बनाया गया।

बता दें छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा कई जन कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रहे हैं। इनके सुशासन में किसान से लेकर हर वर्ग व्यक्ति संतुष्ट है। लोगों को इनकी योजनाओं का लाभ मिल रहा है और देशभर में सबसे कम बेरोजगारी दर भी छत्तीसगढ़ की है। छत्तीसगढ़ में लगातार हो रहे विकास कार्यो ने भी मुख्यमंत्री को काफी पापुलर बनाया है। इससे पहले भी छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विभिन्न मंचों पर सम्मानित हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की ने प्रदेश में आर्थिक सशक्तिकरण के लिए जो योजनाएं बनाई हैं उसके कारण किसानों, आदिवासियों, मजदूरों, महिलाओं सहित वंचित वर्ग के सभी लोगों को लाभ हुआ है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, हाफ बिजली बिल योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से डेढ़ लाख करोड़ से अधिक राशि लोगों की जेबों में सीधे पहुंचाई गई। नई उद्योग नीति के तहत कृषि और वन आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर उपजों का प्रसंस्करण और वैल्यू एडीशन करते हुए किसानों और वनवासियों की आय में वृद्धि की और प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ाए। 2 रुपए किलो गोबर व 4 रुपए प्रति लीटर गोमूत्र भी बिक रहा है।

भाजपा में बड़ी सर्जरी, बदले गए भिलाई सहित 13 जिलों के जिला अध्यक्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ में बड़ी सर्जरी की है। भाजपा ने एक साथ 13 जिलों के जिला अध्यक्षों को बदल दिया है। छत्तीसगढ़ भाजपा ने प्रेस रिलीज जारी करके अपने 13 नए जिला अध्यक्षों के नामों की घोषणा की। बता दें कि छत्तीसगढ़ के कई जिलों में जिला अध्यक्ष बदले जाने को लेकर पिछले कई दिनों से कवायद चल रही थी। आखिरकार प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव ने 13 जिलों के अध्यक्षों के बदलाव पर मुहर लगा ही दिए। राजधानी रायपुर के अलावा भिलाई, राजनांदगांव, नारायणपुर, मोहला-मानपुर, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कोरिया, जशपुर, सारंगढ़, सुकमा, सक्ती, जांजगीर-चांपा के जिला अध्यक्षों को बदला गया है।

जिला अध्यक्षों के नाम	इन जिलों में मिली जिम्मेदारी
जयंती पटेल	रायपुर
बृजेश ब्रिजपुरिया	भिलाई
रमेश पटेल	राजनांदगांव
कृष्णकांत चंद्रा	सक्ती
गुलाब चंदेल	जांजगीर-चांपा
रूपसाय सलाम	नारायणपुर
कृष्ण बिहारी जायसवाल	कोरिया
सुनील गुप्ता	जशपुर
सुभाष जालान	सारंगढ़
धनीराम बारसे	सुकमा
संजीव शाह	मोहला-मानपुर
धम्मन साहू	खैरागढ़-छुईखदान-गंडई
अनिल केशरवानी	मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर

भिलाई की जिम्मेदारी मिली बृजेश को

सीएम के गृह जिले के हाई प्रोफाइल भिलाई में भी भाजपा ने अपना जिला अध्यक्ष बदल दिया है। भिलाई की जिम्मेदारी बृजेश ब्रिजपुरिया को दी गई है। इसी तरह राजनांदगांव को रमेश पटेल संभालेंगे। छत्तीसगढ़ में अगले साल विधानसभा चुनाव होना है, बीजेपी पिछले 3 महीने से लगातार बदलाव कर रही है। चुनाव से पहले आने वाले 10 से 11 महीनों में अभी कौन-कौन से चेहरे बदल दिए जाएंगे, ये आने वाला वक्त तय करेगा।

चुनाव से पहले बीजेपी की बड़ी सर्जरी

मंगलवार देर रात सूबे की राजधानी रायपुर के बीजेपी दफ्तर से 13 जिला अध्यक्षों के बदले जाने का फरमान जारी हुआ। इससे पहले 9 अगस्त को प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष को बदलने का आदेश जारी हुआ था। विष्णुदेव साय की जगह अरुण साव को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया। इसके बाद 17 अगस्त को नेता प्रतिपक्ष को बदलने का आदेश जारी हुआ। धरमलाल कौशिक की जगह नारायण चंदेल को जिम्मेदारी दी गई, और फिर करीब एक महीने में डी पुरंदेश्वरी को हटाकर ओम माथुर को छत्तीसगढ़ का नया भाजपा प्रदेश प्रभारी बना दिया गया।

तमिलनाडु की पूर्व सीएम जयललिता की मौत पर चौंकाने वाले खुलासे, जांच आयोग को 4 करीबियों पर शक

चेन्नई। तमिलनाडु की सीएम और एआइएडीएमके नेता रहीं जे. जयललिता की मौत की फाइल खुलने से राज्य की राजनीति में हड़कंप मच गया है। सबसे ज्यादा चर्चा जांच रिपोर्ट की है। जिसमें जयललिता के चार करीबियों के खिलाफ जांच की सिफारिश की गई है। जे जयललिता की मौत के बाद परिस्थितियों की जांच के लिए बनाई गई जस्टिस आरुमुगसामी जांच आयोग की मंगलवार को विधानसभा में पेश रिपोर्ट में कई खुलासे हुए हैं।

हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस चौरड़िया बने राज्य उपभोक्ता फोरम के नए अध्यक्ष, चार साल का होगा कार्यकाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस अब राज्य उपभोक्ता फोरम के नए अध्यक्ष होंगे। राज्यपाल के आदेश पर राज्य सरकार ने रिटायर्ड जस्टिस गौतम चौरडिया को छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग (राज्य उपभोक्ता फोरम) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के विशेष सचिव मनोज कुमार सोनी ने इस संदर्भ में नियुक्ति पत्र जारी किया है। राज्य उपभोक्ता फोरम के नए अध्यक्ष का कार्यकाल चार साल का होगा।

अधिवक्ता के रूप में की थी न्यायिक जीवन की शुरुआत

रिटायर्ड जस्टिस चौरडिया ने अधिवक्ता के रूप में अपने न्यायिक जीवन की शुरुआत की थी। उन्होंने तीन वर्ष तक अधिवक्ता के रूप में काम किया। इसके बाद 23 साल तक न्यायिक सेवा में रहे। इसी साल जुलाई में वे रिटायर हुए। चार साल पहले उन्हें हाईकोर्ट में जज बनाया गया था। इससे पहले वे रजिस्ट्रार जनरल रहे।

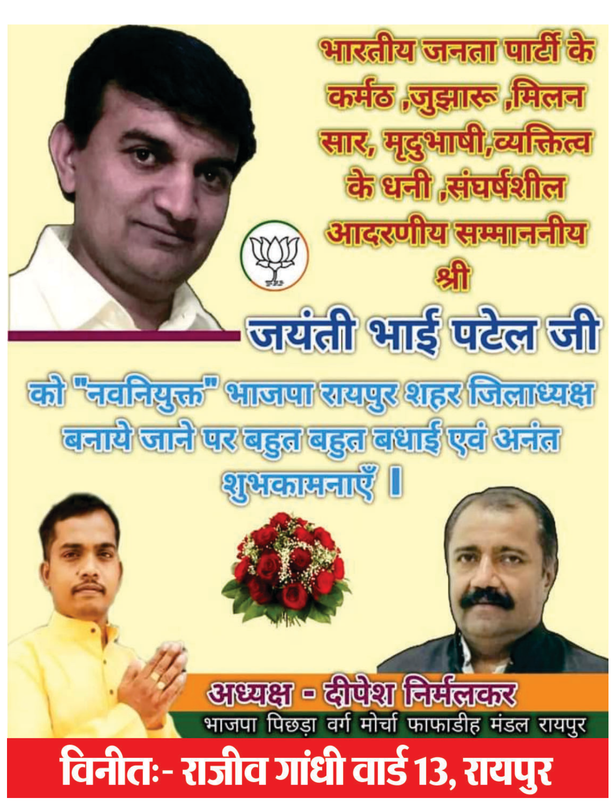

पूरे घर के बदल डालूंगा

श्रीकंचनपथ

दशकों पहले टीवी पर एक विज्ञापन आता था जिसमें असरानी कहते थे - 'पूरे घर के बदल डालूंगा'. असरानी बार-बार फ्यूज होने वाले बल्बों से परेशान थे. वे परचून की दुकान पर जाते हैं तो उन्हें एक नया बल्ब दिखाया जाता है जो जल्दी फ्यूज नहीं होता. असरानी खुश हो जाते हैं और कहते हैं, पूरे घर के बदल डालूंगा. असरानी का पुराना बल्ब टंगस्टन फिलामेंट का था और नया भी. सिर्फ ब्रांड बदलता है. नया दौर ओएलएक्स फैक्टर का है. इससे पहले कि चलता हुआ पुराना सामान भंगार हो जाए, उसे आगे सरकाकर लोग खुद लेटेस्ट ले आते हैं. अब बात ब्रांड बदलने की नहीं, बल्कि नई टेक्नोलॉजी और एडिशनल फीचर्स की होती है. टंगस्टन फिलामेंट वाले बल्ब को फ्यूज होने के बाद भी घुमा-घुमा कर, हिला-डुला कर एक बार फिर जला लेते थे. पर वह पुराने दिनों की बात थी. अब इंडिया सीएफएल से होकर एलईडी तक जा पहुंचा है. अब दीपावली की रात लप-झप करते सिरीज के बल्ब बदलते नहीं गुजरती. वहां भी एलईडी रौशन हो रहा है. पर भारत इतनी तेजी से नहीं बदलता. भारत का आदमी आज भी परचून की दुकान से फिलामेंट वाला बल्ब ही खरीदता है. अब भी वह फ्यूज बल्ब को हिला-डुलाकर दोबारा जला लेता है. पीली रोशनी देने वाला यह बल्ब आज भी 15-20 रुपए का आ जाता है. दो-तीन सौ रुपए दिहाड़ी कमाने वाला आदमी 250 रुपए का एलईडी खरीदने की हिम्मत नहीं जुटा पाता. भाजपा जब से सत्ता में आई है, असरानी मोड में है. कभी वह इतिहास बदलती हुई दिखती है तो कभी शहरों के नाम. पर लोग पुराना भूलते नहीं हैं. असरानी को लोग भले ही सीरियसली न लें, पर उन्हें इग्नोर करना भी मुश्किल है. छत्तीसगढ़ ने उन्हें सीरियसली लिया. पूरे घर के बदल डाला. चाऊंर वाले बाबा को गोबर-गेड़ी वाले बाबा से बदल दिया. पुराना ब्रांड सकपका गया. अब वह नए फीचर्स देना चाहता है पर उसका रिसर्च लैब फेल है. नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश अध्यक्ष बदलने के बाद अब जिला स्तर पर नए चेहरे लाए जा रहे हैं. 13 जिलों के अध्यक्ष बदले जा चुके हैं. पर चेहरा संकट बना हुआ है. लोग तो उन्हीं को पहचानते हैं जिन्हें वह सालों-साल देखते आए हैं. इन्हें आप केन्द्र में ले जाओ या मार्गदर्शक मंडल में डालो, जनता की नजरों में नेता तो वही हैं. यह भारत है, आस्थाएं इतनी जल्दी नहीं बदलने वाली. वैसे भी मोर्चा तो पूर्व मुख्यमंत्री ने ही संभाला हुआ है. वह किसी परिचय के मोहताज नहीं. पूर्व मुख्यमंत्री कहो, नाम लो या चाऊंर वाले बाबा कहो, बच्चा-बच्चा समझता है कि किसकी बात हो रही है. इधर, इतने सारे नए नेता आ गए हैं कि उनका नाम याद रखना इतिहास का पर्चा लिखने जैसा हो गया है. कहीं ऐसा न हो कि वार्षिक परीक्षा के दौरान एक बार फिर लालटेन जलाने की नौबत आ जाए.

संपादकीय

डराते कुत्ते

नोएडा की लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी में सोमवार शाम आवारा कुत्तों के काटने से एक नन्हे बच्चे की मौत की घटना बेहद दर्दनाक है। ऐसे में, इस सोसाइटी के बाशिंदों व स्थानीय लोगों के आक्रोश को समझा जा सकता है, क्योंकि इनकी शिकायत है कि प्राधिकरण से अनुरोध के बावजूद इसके मुतल्लिक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। जिस मजदूर दंपति ने इस हादसे में अपने बेटे को खो दिया, उसके गम की तो कोई भरपायी हो ही नहीं सकती, मगर इस घटना के बाद तंत्र की तंद्रा अवश्य टूटनी चाहिए, जो ऐसी घटनाओं का प्राय: संज्ञान नहीं लेता। तमाम जगहों से ऐसी शिकायतें मिलती रहती हैं कि आवारा कुत्तों के कारण बच्चों और बुजुर्गों का कॉलोनी में निकलना मुश्किल हो गया है, मगर संबंधित महकमा शिकायत दर्ज कराने के बावजूद कुछ नहीं कर रहा। यह स्थिति तब है, जब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) लगातार चेताता रहा है कि भारत में रेबीज से होने वाली मौतों की संख्या चौंकाने वाली है। मुख्यत: कुत्तों के काटने से रेबीज रोग होता है और बकौल डब्ल्यूएचओ, दुनिया भर में रेबीज से होने वाली मौतों में से 36 प्रतिशत अकेले भारत में होती हैं। सिर्फ आवारा कुत्ते हमला नहीं करते, हाल के दिनों में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से लेकर मुंबई तक की संभ्रांत सोसाइटियों की लिफ्ट में पालतू कुत्तों के काटने की ऐसी अनेक घटनाएं वायरल हुईं, जो किसी के भीतर सिहरन पैदा कर दें। ऐसी ही एक घटना में लिफ्ट में सवार कुत्ते की मालकिन ने अकेले मासूम बच्चे को जख्मी हालत में छोड़कर आगे बढ़ गई। क्या ऐसी सोसाइटियों के प्रबंधन का यह दायित्व नहीं बनता कि वे अपने आहाते में बसने वालों को बेखौफ चहलकदमी का माहौल मुहैया कराएं? आखिर वे रिहाइशी परिवारों से रखरखाव के लिए रकम वसूलती ही हैं। किसी भी सोसाइटी के भीतर यदि आवारा पशु विचरण कर रहे हैं, तो पहली जिम्मेदारी तो उसके प्रबंधन की ही बनती है। बेजुबान जीवों से प्रेम एक श्रेष्ठ मानवीय मूल्य है। इसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, लेकिन अपने पालतू कुत्ते से प्रेम करते हुए किसी इंसान के प्रति बेहिस होने की इजाजत तो कतई नहीं दी जा सकती। खासकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिहाज से श्वान-प्रेमियों को जरूर सोचना चाहिए। गैर-मवेशी जीवों में कुत्ता इंसान का सबसे वफादार जीव रहा है, और उसकी उपयोगिता एक स्थापित तथ्य है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में उनका उल्लेख मिलता है। देश-दुनिया में इन पर कई मार्मिक कहानियां लिखी गईं, कई यादगार फिल्में बन चुकी हैं। हम उनके विरुद्ध किसी किस्म की क्रूर कार्रवाई के विरुद्ध हैं, लेकिन यदि किसी इलाके से उनके हिंसक होने की घटनाएं मिल रही हैं, तो वहां त्वरित कार्रवाई का एक ठोस तंत्र होना चाहिए। नोएडा और अन्य महानगरों की वारदातें तो संज्ञान में इसलिए आ जा रही हैं, क्योंकि यहां के ज्यादातर इलाके 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों और मीडिया की निगहबानी में हैं, छोटे कस्बों और गांवों का पुरसाहाल कोई नहीं। हम इस सच्चाई से भी मुंह नहीं मोड़ सकते कि सुदूर इलाकों के हमारे स्वास्थ्य केंद्रों पर रेबीज के टीकों की उपलब्धता एक बड़ी समस्या है। इसमें कोई दोराय नहीं कि हमारे पारिस्थितिक-तंत्र में सभी जीवों की अपनी अहमियत है और कुदरत उन्हें अपने तईं नियंत्रित भी करती रही है, लेकिन मानवीय हस्तक्षेप ने इस संतुलन को बिगाड़ा है, तो इसे दुरुस्त करने के उपाय भी अब हमें ही ढूंढ़ने होंगे।

> " गैर-मवेशी जीवों में कुत्ता इंसान का सबसे वफादार जीव रहा है, और उसकी उपयोगिता एक स्थापित तथ्य है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में उनका उल्लेख मिलता है। देश-दुनिया में इन पर कई मार्मिक कहानियां लिखी गईं, कई यादगार फिल्में बन चुकी हैं। हम उनके विरुद्ध किसी किस्म की क्रूर कार्रवाई के विरुद्ध हैं, लेकिन यदि किसी इलाके से उनके हिंसक होने की घटनाएं मिल रही हैं, तो वहां त्वरित कार्रवाई का एक ठोस तंत्र होना चाहिए।

प्रारंभिक और अंतिम बिंदु

वेद में एक कथा है। एक बार देवताओं, असुरों और मनुष्यों के सामने एक विराट दीप्तिमान सत्ता प्रकट हुई। इसका न तो कोई आरंभ दिखता था, न अंत। पहले तो किसी ने उसके करीब जाने और परिचय पूछने की हिम्मत नहीं की। मगर धीरे-धीरे कुछ देवताओं ने साहस जुटाया और वे आगे बढ़े। सबसे पहले पवन देव गए और पूछा, आप कौन हैं? उत्तर के बजाय विराट सत्ता ने पूछा, तुम कौन हो? पवन देव ने कहा, मैं वायु का देवता हूं, अपने मार्ग में आने वाली हर चीज को उड़ा सकता हूं। दीप्त इकाई ने उन्हें घास की एक पत्ती भेंट करते हुए कहा, इसे उड़ा दें। लाख कोशिशों के बाद भी पवन देव उसे हिला न सके। लज्जित होकर लौट गए।

फिर अग्नि देव ने परिचय देते हुए हर वस्तु को भस्म करने की अपनी विशेषता बताई। उनसे उस तृण को जलाने के लिए कहा गया, वह भी विफल रहे और सिर झुकाकर वापस आ गए। इसी तरह, कई देव नाकाम रहे। तब देवों-असुरों और मनुष्यों ने अपने बीच के सबसे बुद्धिमान व्यक्ति को चुना, जो न केवल बौद्धिक था, बल्कि यह भी जानता था कि भिन्न परिस्थितियों में कैसे व्यवहार करना है?

इस प्रतिनिधि ने दीप्तिमान इकाई का श्रद्धापूर्वक अभिवादन किया और पूछा, आप कौन हैं? दीप्तिमान इकाई ने उनसे भी प्रतिप्रश्न किया, तुम कौन हो? जवाब मिला- यही जानने के लिए आपके पास आया हूं।

> " हिजाब पहनने वाली लड़कियों ने यूनिफॉर्म पहनने से इनकार नहीं किया, बल्कि वे यूनिफॉर्म के ऊपर हिजाब पहनना चाहती हैं। बेशक कोई भी शिक्षण संस्थान अपने लिए ड्रेस तय कर सकता है, लेकिन इसके साथ ही उसे शिक्षा के मौलिक अधिकार का भी ध्यान रखना चाहिए। सामाजिक परिस्थितियों का आकलन किए बिना यूनिफॉर्म पर सख्त रुख अपनाने से उसे बचना चाहिए।

तालीम की राह में रोड़ा न बने पहनावा

जकिया सोमन, महिला अधिकार कार्यकर्ता

पिछले हफ्ते, सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने हिजाब मामले में विभाजित फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा और एक समान ड्रेस कोड व हिजाब सहित तमाम धार्मिक प्रतीकों को कक्षाओं में प्रतिबंधित करने का समर्थन किया। दूसरी तरफ, न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने कर्नाटक सरकार के आदेश को दरकिनार करते हुए इस बात पर सहमति जताई कि लड़कियों को चयन का अधिकार मिलना चाहिए। अब देश के प्रधान न्यायाधीश तय करेंगे कि अगली पीठ का आकार क्या हो और कौन-कौन न्यायमूर्ति इस मामले की सुनवाई करेंगे? बेशक, अदालती फैसला सांविधानिक सिद्धांतों और कानूनों पर टिका होता है, लेकिन यह विभाजित निर्णय मौजूदा ध्रुवीकृत समय की सच्चाई भी बयां करता है।

यह आश्चर्य की बात है कि कर्नाटक में स्कूल प्रबंधन समिति, जिसकी अध्यक्षता स्थानीय राजनेता करते हैं, माता-पिता से बात करके हिजाब पर गतिरोध का हल नहीं निकाल सकी। इसके बजाय, मामला देश के सर्वोच्च न्यायालय में चला गया। यह घटनाक्रम संकेत है कि बीमारी कहीं गहरी है। विद्यार्थियों का जीवन और उनका भविष्य धर्म व राजनीति के बीच फंसा नजर आता है। लगता है, शिक्षा पाने का उनका अधिकार संविधान के पन्नों में ही सिमटकर रह जाएगा, और उनका जीवन व्यावहारिक राजनीति से तय होगा। अब यह कोई छिपा तथ्य नहीं रहा कि हिजाब और नकाब इस्लाम में अनिवार्य नहीं हैं। मजहबी साक्ष्य इसकी पुष्टि करते हैं। हिजाब पितृसत्तात्मक समाज द्वारा औरतों पर नियंत्रण करने के लिए थोपा गया है। यह बात हिजाब के खिलाफ ईरान में चल रहे आंदोलन से भी हम बखूबी समझने लगे हैं। ईरानी महिलाएं तो खुलकर कह रही हैं कि उनके लिबास किस तरह के होने चाहिए, इससे न मुल्क को मतलब होना चाहिए, और न मौलवियों को। रूढ़िवादी मौलवियों ने ही महिलाओं के लिए सख्त ड्रेस कोड की वकालत की है, और कुछ वर्गों में हिजाब को स्वीकृति मिल भी गई है। कुछ लड़कियां यही मानती हैं कि हिजाब महजबी इनायत है और इसे पहनने में उनकी खुशी है। कई तो इसके बिना अपने घरों से बाहर निकलने की कल्पना तक नहीं कर सकतीं। उडुपी में लड़कियों ने तो हिजाब की खातिर कक्षाएं, यहां तक की परीक्षाएं भी छोड़ दीं।

दरअसल, चयन एक जटिल मसला है, और यह हमारी सामाजिक कंडीशनिंग से प्रभावित होता है। कई महिलाएं अपने परिवार के लिए करियर तक छोड़ देती हैं और घर संभालने लगती हैं। पुरुष ऐसा बहुत कम करते हैं। सामाजिक-आर्थिक हकीकत, परंपरा, संस्कृति और धर्म उन महिलाओं के व्यवहार को कहीं अधिक प्रभावित करते हैं, जिन्हें आत्म-जागरूकता, शिक्षा और ज्ञान की राह पर चलने से महरूम रखा जाता है। देखा जाए, तो हिजाबी लड़कियों को भी इस यात्रा से दूर कर दिया गया है। रूढ़िवादियों को लड़कियों की शिक्षा की परवाह नहीं होती। मगर लोकतंत्र में अपेक्षा यही की जाती है कि विकास से जुड़ी संस्थाएं धार्मिक प्रतिष्ठानों से बेहतर कार्य करेंगी। शिक्षण संस्थानों को सीखने की भावना और वैज्ञानिक सोच को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए। उनको राजनेता की अध्यक्षता वाली समिति के अनर्गल फैसले स्वीकार नहीं करने चाहिए। सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उनको उदार रुख अपनाना चाहिए। आखिर हिजाब के कारण लड़कियों को शिक्षा से महरूम रखना क्या उचित है? क्या वे उनके जीवन को बेहतर बना रहे हैं?

हिजाब पहनने वाली लड़कियों ने यूनिफॉर्म पहनने से इनकार नहीं किया, बल्कि वे यूनिफॉर्म के ऊपर हिजाब पहनना चाहती हैं। बेशक कोई भी शिक्षण संस्थान अपने लिए ड्रेस तय कर सकता है, लेकिन इसके साथ ही उसे शिक्षा के मौलिक अधिकार का भी ध्यान रखना चाहिए। सामाजिक परिस्थितियों का आकलन किए बिना यूनिफॉर्म पर सख्त रुख अपनाने से उसे बचना चाहिए। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के अधीन स्कूल हिजाब या नकाब न पहनने वाली लड़की को वापस घर भेज सकता है, लेकिन भारत अफगानिस्तान नहीं बन सकता। हम एक संवेदनशील लोकतंत्र हैं, जहां कपड़े का एक टुकड़ा शिक्षा मुहैया न कराने का सबब नहीं बन सकता। आजादी के 75 साल के बाद भी भारतीय मुसलमान कई कारणों से गरीब और पिछड़े बने हुए हैं। पिछले 15 वर्षों में लड़कियों का शिक्षा के प्रति बढ़ता उत्साह और नामांकन की उनकी बढ़ती दर उम्मीद जगाती है। कई औरतें आर्थिक रूप से खुदमुख्तार हो रही हैं। कई घर से बाहर निकलने लगी हैं। तीन तलाक के खिलाफ लोकतांत्रिक लड़ाई में महिलाओं ने रूढ़िवादी ताकतों को चुनौती दी। इन सभी सकारात्मक बदलावों पर नफरत व धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति पानी फेर सकती है। अजान, नमाज, हिजाब और मदरसों के खिलाफ कथित कार्रवाई को मुस्लिम अस्तित्व पर हमले के रूप में देखा जाने लगा है।

बेशक, जस्टिस गुप्ता विद्यार्थियों को धर्मनिरपेक्षता का पाठ पढ़ाने के हिमायती हैं, पर छात्र-छात्राओं को विविधता, बहुलतावाद और बहु-संस्कृतिवाद के बारे में भी बताना होगा, जो हमारे देश को परिभाषित करते हैं। भारतीय धर्मनिरपेक्षता एक तरफ राष्ट्र को सभी धर्मों से समान दूरी बरतने को कहती है, तो दूसरी तरफ नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता भी देती है।

भगवा पहने राजनेता हमारी संसद की अनूठी विशेषता हैं, जो फ्रांस जैसे देशों में अकल्पनीय है। संसद और स्कूली कक्षाओं का अलग-अलग पैमाना नहीं होना चाहिए। हिजाब सार्वजनिक व्यवस्था के लिए कोई खतरा नहीं है। अगर इससे नुकसान भी पहुंचाता है, तो सिर्फ पहनने वाले को। उम्मीद है कि सर्वोच्च न्यायालय लड़कियों के शिक्षा के अधिकार को बहाल करेगा। मगर इसके साथ ही उस धारणा से भी पार पाना होगा, जो मुस्लिम लड़कियों को शिक्षा से महरूम करके धार्मिक रूढ़िवाद से बचाने की पक्षधर है। इस तरह की सोच लोकतंत्र के खिलाफ है। मुस्लिम समाज में औरतों की समानता और सुधार लंबे समय से लंबित हैं, लेकिन ये गंभीर विषय हैं, जिनके लिए निरंतर जमीनी व नीतिगत प्रयास किए जाने की जरूरत है। बहुसंख्यक विजयवाद से इस मसले का समाधान नहीं हो सकता। समाज में कानूनी प्रावधानों का डर दिखाकर कतई सुधार नहीं ला सकते। जैसा कि न्यायमूर्ति धूलिया कहते भी हैं, 'भारत में आज सबसे सुखद है एक बच्ची को सुबह स्कूल जाते हुए देखना... वह हमारी आशा है, वही हमारा भविष्य है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

न्यायिक समाज को आम जन के अनुरूप बनाने का इरादा

सुधांशु रंजन, वरिष्ठ पत्रकार

भारत के अगले प्रधान न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति का वारंट पाने के बाद न्यायमूर्ति धनंजय वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि प्रधान न्यायाधीश से अपेक्षाएं बहुत ज्यादा होती हैं, इसलिए उनका प्रयास होगा कि हर मुकदमा लड़ने वाले को यह एहसास हो कि उसके साथ न्याय हुआ और न्यायालय ने उसके साथ अच्छा व्यवहार किया, परिणाम चाहे जो भी हो। उन्होंने यह भी कहा कि वह ईमानदारी से कोशिश करेंगे कि जब वह अपने पद से मुक्त हों, तो न्यायिक जगत तथा समाज एक बेहतर जगह हो। यह खरा बयान है, जिससे पता चलता है कि उन्हें इसका एहसास है कि आम जनमानस में न्यायपालिका की क्या छवि है। इसे यदि वह थोड़ा भी बदल पाएं, तो उनका एक बड़ा योगदान होगा, जिसे भावी पीढ़ियां याद करेंगी।

वाल्तेयर ने कहा था कि वह जीवन में दो बार बर्बाद हुए- पहली बार, जब वह एक मुकदमा हारे, और दूसरी बार, जब वह एक मुकदमा जीते। यानी वैश्विक स्तर पर न्यायिक प्रक्रिया को विनाशकारी माना जाता है। खैर, भारत की स्थिति और बदतर है। पहले तो यहां वकीलों की फीस इतनी ज्यादा है कि आम आदमी मुकदमा लड़ ही नहीं सकता। महात्मा गांधी ने आत्मकथा में लिखा है कि 1917 में जब वह चंपारण गए, तो वकीलों की फीस सुनकर दंग रह गए, '...साहब को हमने सलाह के लिए दस हजार रुपये दिए।' एक अन्य स्थान पर गांधीजी ने लिखा है कि भारत जैसी खर्चीली न्याय व्यवस्था किसी अन्य देश में नहीं है। इसकी भी एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। भारत में आधुनिक न्याय व्यवस्था की स्थापना अंग्रेजों ने की। सबसे पहले मेयर कोर्ट बम्बई, कलकत्ता और मद्रास में स्थापित हुई, जब जॉर्ज प्रथम ने 24 सितंबर, 1726 को चार्टर के जरिये कोर्ट आफ रिकॉर्ड्स स्थापित करने की अनुमति दी। विडंबना थी कि अदालत के पीठासीन अधिकारी या मेयर को कानूनी ज्ञान इतना कम था कि अटार्नी की दलीलों पर वे प्रश्न नहीं कर पाते थे। जब इस कमी

का एहसास हुआ, तब 26 मार्च, 1774 को कलकत्ता में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना हुई। यहां भारतीयों को प्रैक्टिस करने की इजाजत नहीं थी। फिरंगी बैरिस्टर कोई सेवा के लिए तो भारत आए नहीं थे, इसलिए उन्होंने अपनी फीस अत्यधिक ऊंची कर दी। कालांतर में जब भारतीय वकीलों को भी प्रैक्टिस की अनुमति मिली, तो उन्हें लूट की जमीन तैयार मिली। भला वे क्यों इसमें सुधार करते, और आज तक शोषण की वह परंपरा चली आ रही है। भारत में, जहां हर किसी की आमदनी पर सवाल उठाए जाते हैं, वकीलों व डॉक्टरों ने अपनी लूट को सफलतापूर्वक योग्यता से जोड़ दिया है। आलम यह है कि वकीलों की फीस पर बार कौंसिल ने तो कोई नियम नहीं ही बनाया, उच्चतम न्यायालय ने भी इसे नियंत्रित करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। दूसरी समस्या अनिश्चितता की है। यह अनिश्चितता मुकदमे की अवधि एवं परिणाम, दोनों को लेकर है। किसी को पता नहीं होता कि मुकदमा कब तक चलेगा? ज्यादातर वकीलों को कोई जल्दी नहीं होती। दरअसल, इस न्यायिक व्यवस्था का सबसे बड़ा रोग ही स्थगन है। इसे खत्म करने के लिए विधायिका और न्यायपालिका के बीच समन्वय की जरूरत है। सच्चाई यह है कि मजबूत पक्ष इन्हीं दांव-पेचों के सहारे अक्सर जल्दी न्याय नहीं होने देता है। यह भी सच है कि सभी न्यायाधीश यदि पूरी फाइल पढ़कर आएं, तो बहस बहुत छोटी हो जाएगी। जज का विवेकाधिकार हमेशा रहेगा, पर ऐसा प्रतीत नहीं होना चाहिए कि किसी मामले में न्याय नहीं हुआ। अनिश्चितता के कारण मुकदमेबाजी भी बढ़ती है। इसके अलावा अदालत को ऐसे पक्ष को दंडित करना चाहिए, जो सिर्फ मामले को लंबा खींचने के लिए रिवीजन या अपील शीर्ष अदालत तक ले जाता है। वैसे, न्याय आम जन को तभी सुलभ होगा, जब यह सस्ता हो, समय सीमा के अंदर मामलों का निष्पादन हो। न्यायपालिका की असली शक्ति है आम आदमी का भरोसा। अमेरिकी संविधान के एक निर्माता अलेक्सांद्र हैमिल्टन ने कहा था कि न्यायपालिका की फैसले देने की ताकत एकमात्र है, जिससे यह लोगों का सम्मान पा सकती है। सुधार की इच्छा जता रहे देश के भावी 50वें प्रधान न्यायाधीश कारगर साबित हो सकते हैं, उनके पास समय है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वित्त मंत्री को कहां से आइडिया मिला?

भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वाशिंगटन में एक प्रेस कांफ्रेंस में रुपए और डॉलर की कीमत को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में जो कहा, उसकी पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है। भारत में तो उस बयान का जितना मजाक बना है, उतना हाल के दिन में किसी और बयान का सुनने को नहीं मिला। देश की वित्त मंत्री को भी इससे पहले कभी ऐसे ट्रोल होते नहीं देखा गया होगा। उन्होंने कहा कि रुपया कमजोर नहीं हो रहा है, बल्कि डॉलर मजबूत हो रहा है। सुब्रह्मण्यम स्वामी से लेकर सोशल मीडिया के आम यूजर तक ने इस बयान को लेकर बनाए गए मीम्स और मजाक शेयर किए। स्वामी ने तो उनसे इस बयान को लेकर जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी पर भी तंज किया, जहां से वे पढ़ी हैं।

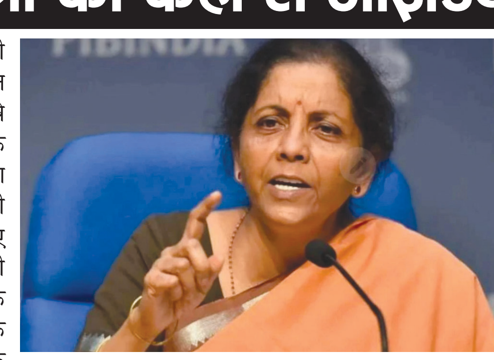

लेकिन सवाल है कि देश की वित्त मंत्री को इस तरह के बयान का आइडिया कहां से आया? वे सिर्फ इतना भी कह सकती थीं कि डॉलर के मुकाबले भले रुपया कमजोर हुआ है लेकिन दुनिया की दूसरी मुद्राओं के मुकाबले रुपए का प्रदर्शन अच्छा है। यह बात भी उन्होंने कही लेकिन साथ मजाक बनने वाली बात यह कह दी कि रुपया कमजोर नहीं हुआ है, बल्कि डॉलर मजबूत हुआ है। ऐसा लग रहा है कि यह कहने का आइडिया उनको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिला क्योंकि कम से कम दो मौकों पर वे इस किस्म के बयान दे चुके हैं, जिनकी सोशल मीडिया में भी खूब चर्चा हुई है।

कोई दस साल पहले जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने इस तरह का एक बयान दिया था। गुजरात में लड़कियों के कुपोषण का मामला सामने आया था, तब मोदी ने कहा था कि गुजरात की महिलाएं सुंदरता का ध्यान रखती हैं। उन्होंने कहा था कि गुजरात की लड़कियां मोटे होने के डर से दूध नहीं पीती हैं। उनमें स्वास्थ्य से ज्यादा सुंदरता की चाह है। यह संयोग है कि जिस दिन वित्त मंत्री ने रुपए और डॉलर वाला बयान दिया उसी दिन ग्लोबल हंगर इंडेक्स भी आया, जिसमें भारत की 107वीं रैंकिंग आई है। इस पर तंज करते हुए कई लोगों ने लिखा और कहा कि भारत में भूख और कुपोषण नहीं बढ़ा है, बल्कि व्रत और उपवास करने वालों की संख्या बढ़ गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 2018 में अपने एक संबोधन में नौकरियों को लेकर भी इसी तरह की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि नौकरियों की कमी नहीं है, बल्कि आंकड़ों की कमी है। यानी बेरोजगारी के आंकड़े गलत हैं। इससे पहले 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने एक कार्यक्रम में मिसाल देते हुए कहा था कि ठंड नहीं बढ़ी है, बल्कि हमारी ठंड सहने की क्षमता कम हो गई है। उसी तरह क्लाइमेट नहीं बदल रहा है, हम बदल रहे हैं। वित्त मंत्री का ताजा बयान इसी लाइन पर दिया गया लग रहा है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:- 9827806026, 7869620239

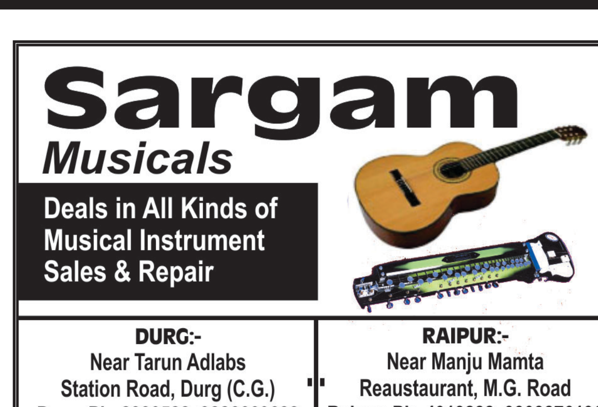

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

मुख्यमंत्री की घोषणाः चन्द्रपुर कॉलेज मुकुटधर पाण्डेय के नाम पर होगा

विभिन्न समाजों को सामाजिक भवन के लिए 75 लाख रूपए की स्वीकृतिः डभरा में खुलेगी सब्जी मंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान नवगठित जिला सक्ती के चन्द्रपुर विश्राम में विभिन्न समाजों के प्रमुख और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकातकर सामाजिक गतिविधियों और उनकी समस्याओं के बारे में चर्चा की। स्वर्गीय मुकुटधर पाण्डेय स्मृति समिति की मांग पर मुख्यमंत्री ने चन्द्रपुर के कॉलेज का नामकरण मुकुटधर पाण्डेय के नाम पर करने की बात कही और पुस्तकालय की मांग पर सहमति जताते हुए डभरा में सब्जी मंडी खोलने की घोषणा की। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का पूर्व महामहिम राष्ट्रपति से सम्मानित श्री नीलांबर देवांगन ने कोसा से बना जैकेट पहनाकर अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री से मुलाकात करने आये विभिन्न समाज के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सभी वर्गों के हितों के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। सभी समाज के लोगों को शासकी योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ समाज के जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने वाले सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि समाज के लोगों को बेहतर शिक्षा की सुविधा के लिए बच्चों को प्रेरित और उत्साहित करना चाहिए। उन्होंने शासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ मंच पर विधायक श्री रामकुमार यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष यनिता चन्द्रा, ऊर्जा सचिव श्री अंकित आनंद, प्रभारी सचिव श्री धनंजय देवांगन और कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना भी मौजूद थीं।

मुख्यमंत्री ने देवांगन समाज की मांग पर भवन निर्माण के लिए 25 लाख रूपए, उरांव समाज की मांग पर मुक्तिधाम में शेड निर्माण और माली समाज की मांग पर धर्मशाला के लिए 20 लाख रूपए, ग्राम खैरा में मैत्री समाज के भवन के लिए 10 लाख रूपए, कबीर समाज के सतसंग भवन के लिए 20 लाख रूपए स्वीकृत करने की भी घोषणा की। इसी प्रकार अन्य समाज में निषाद समाज, चन्द्रा समाज, यादव समाज, नाई समाज, संवरा समाज, केशरवानी समाज द्वारा जमीन की मांग के संबंध में प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से कहा कि शासकीय जमीन के लिए कलेक्टर के पास आवेदन करें और जमीन समाज के नाम पर रजिस्ट्री होने के बाद आर्थिक सहयोग की बात कही।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कंवर समाज के प्रतिनिधि मंडल द्वारा ग्राम पंचायत टूण्ड्री में कृषि कॉलेज की मांग पर पहले वहां भवन होने की बात कही। उन्होंने बताया कि कैबिनेट की बैठक में कल ही यह फैसला लिया गया है कि कॉलेज के लिए सरकार पूरा सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में कलेक्टर को इस विषय में जानकारी देने के निर्देश भी दिए और कहा कि एक समिति बनाकर कॉलेज का संचालन किया जाए। ब्राम्हण गोस्वामी समाज द्वारा कलमा में बाढ़ से बचाव राहत कार्य के संबंध में मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने आज ही सभी बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में आवश्यक बचाव के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

जैविक महिला कृषक श्रीमती उर्मिला सिदार को मिला राष्ट्रीय प्रभाकर केलकर पुरुस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले की प्रगतिशील जैविक महिला कृषक श्रीमति उर्मिला सिदार को केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी के मुख्य आतिथ्य में समर्पण सेवा संस्थान, मध्यप्रदेश द्वारा भोपाल में आयोजित गरिमामयी उत्कृष्ट जैविक किसान सम्मान समारोह में जैविक खेती में नवाचार, जागरूकता, प्रयोग एवं प्रशिक्षण में उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय प्रभाकर केलकर पुरुस्कार 2022 प्रदान किया गया। इस पुरुस्कार में उन्हें रूपये 21 हजार रुपये नगद, प्रशस्ति प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

श्रीमती सिदार कृषि विज्ञान केंद्र, रायगढ़ से जुड़ी हुई है तथा तकनीकी रूप से चर्चा परिचर्चा करते रहती है तथा कृषि विज्ञान केंद्र,रायगढ़ से जुड़कर हजारों महिलाओं एवं पुरुष किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती के विभिन्न संसाधनों को अपने घर में खुद जैविक खाद, जैविक तरल एवं कीटनाशक तैयार करती है एवं जागरूक एवं प्रशिक्षित करती है। श्रीमती सिदार शिक्षा विभाग में व्याख्याता के पद पर कार्यरत है। मुख्य काम से समय निकालकर अपने 2.5 एकड खेत को पूरी तरह जैविक ढंग से खेती करती है तथा उसमें उपयोग होने वाली समस्त पोषक घोल उन्ही के द्वार तैयार की जाती है।

श्रीमती सिदार जागरूक महिला जैविक कृषक है, जो हमेशा किसानों की भलाई के लिए काम करते रहती है एवं उनके सहयोग के लिए खुद संसाधन समर्पित कर, प्रशिक्षण कक्ष, प्रक्षेत्र की व्यवस्था करती है जहा पर किसान जैविक एवं प्राकृतिक खेती की बारीकियों को जान एवं समझ सके। उनके इस काम में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख श्री स्वर्णकार की पूरी टीम विशेष कर मृदा वैज्ञानिक डॉ.खेमा दास महंत का विशेष योगदान रहता है। जिनसे तकनीकी चर्चा कर अपने अनुभव एवं अध्यात्म ज्ञान से विभिन्न जैविक उत्पाद तैयार करती है। साथ ही केंद्र के उद्यानिकी वैज्ञानिक डॉ.नानक चंद बंजारा द्वारा भी खेती आदि में मार्गदर्शन दिया जाता रहा। श्रीमती उर्मिला सिदार के इस उपलब्धि से कृषि विज्ञान केंद्र, रायगढ़ के सभी वैज्ञानिक गण डॉ.मनीषा चौधरी, डॉ कलेश पैकरा, डॉ सोलंकी, श्री आशुतोष सिंह, श्री पटेल, डॉ मनोज साहू एवं अन्य सभी स्टाफ गौरान्वित महसूस कर रहे है तथा प्रदेश के सभी जैविक कृषको जैसे खूबचद अवार्ड कृषक मुकेश कुमार, नारायण गबेल, दादू राम चंद्रा, रूपलाल महंत, मनिदास महंत, सीता राम पटेल, रामधार देवांगन, दीनदयाल यादव, राम प्रकाश केशरवानी एवं सभी कृषक हर्ष व्यक्त कर रहे है।

खास खबर

छठ पूजा पर्व को शांति पूर्वक मनाने शांति समिति की बैठक संपन्न

कोरबा। अपर कलेक्टर विजेंद्र पाटले की अध्यक्षता में छठ पूजा पर्व को शांति पूर्ण तरीके से मनाने शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने छठ पर्व को शांति और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने का निश्चय किया। अपर कलेक्टर ने छठ घाट में बिजली, पार्किंग, आपदा राहत आदि टीम की पुख्ता व्यवस्था के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने सभी छठ घाटों में भीड़ नियंत्रण के लिए समिति के सदस्यों से वालंटियर्स तैनात करने के लिए कहा। वेलेंटियर्स शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने में प्रशासन का सहयोग करेंगे। अपर कलेक्टर ने छठ घाटों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस के जवानों की भी ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। घाट में क्रेन, फायर ब्रिगेड, गोताखोर, तैराक, एम्बुलेंस एवं मेडिकल टीम तैनाती की भी तैयारी रखने के निर्देश दिए। छठ घाटों में साफ-सफाई के लिए नगर निगम एवं छठ घाट समिति के द्वारा विशेष सफाई टीम रखी जाएगी । ग्रामीण क्षेत्रों के घाट की सफाई व्यवस्था के लिए ग्राम पंचायतों को जिम्मेदारी दी जाएगी। सड़क मे जाम की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए वाहन पार्किंग निर्धारित की जाएगी। शांति समिति की बैठक में संयुक्त कलेक्टर शिव बैनर्जी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पांडे, एसडीएम कोरबा सीमा पात्रे सहित शांति समिति के सदस्यगण मौजूद रहे। बैठक में अपर कलेक्टर पाटले ने कहा कि आयोजन समिति द्वारा लगाए गए झंडे दौरान बैनर आदि पूजा के पश्चात ससम्मान आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा निकाला जाए। उन्होंने कहा की पर्व को शांतिपूर्वक मनाने के लिए श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु आयोजन समिति अपने वॉलिंटियर्स बनाएं जिनका नाम और मोबाइल नंबर संबंधित थाना में जरूर दे।

कृषि विकास के लिए हो रहे अनुसंधान का लाभ सभी किसानों को मिलना चाहिएः राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने कहा है कि विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा अनुसंधान संस्थानों में हो रहे अनुसंधान कार्यों का लाभ किसानों तथा आम जनता को मिलना चाहिए, तभी उनकी सार्थकता है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीन कृषि प्रौद्योगिकी, नवीन फसल प्रजातियों, कृषि यंत्रों एवं अन्य अनुसंधानों से छत्तीसगढ़ के किसान लाभान्वित हो रहे हैं और निरंतर विकास की राह पर बढ़ रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि कृषि विकास के लिए कृषि अनुसंधान का लाभ फील्ड स्तर पर सभी किसानों को अवश्य मिलना चाहिए। नई तकनीकों, उन्नत प्रजाति के फसलों एवं नवीन कृषि उपकरणों की पहुंच उन तक होनी चाहिए। ऐसे में नवीन कृषि अनुसंधानों एवं प्रौद्योगिकी को किसानों एवं आम जनता तक पहुंचाने में एग्री कार्नीवाल जैसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्यपाल सुश्री उइके यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा राज्य शासन के कृषि विभाग, छत्तीसगढ़ बायोटेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसायटी, अन्तर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, मनीला (फिलीपींस), राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक , कंसल्टेटिव ग्रुप ऑफ इन्टरनेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), एनएबीएल तथा अन्य संस्थाओं के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय कृषि मड़ई ''एग्री कार्नीवाल 2022'' के समापन समारोह को मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित कर रही थी। उन्होंने इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित अनुसंधान गतिविधियों का जायजा भी लिया।

उन्होंने युवा पीढ़ी की कृषि विकास में उल्लेखनीय भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि युवा-पीढ़ी कृषि से दूर होती जा रही है। इसलिए कृषि में हो रहे नए-नए अनुसंधान और नई तकनीकों से युवाओं को परिचित करना होगा ताकि कृषि विकास में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी कृषि विकास के लिए कई योजनाएं प्रारंभ की है। जिसका लाभ युवाओं और किसानों को अवश्य लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा नाम से विशेष पहचान मिली है।अब छत्तीसगढ़ को विविध फसलों के उत्पादन में भी अपनी पहचान बनानी होगी। इसके लिए उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी होगी।राज्यपाल ने कहा कि हमारे किसानों को बड़े स्तर पर समन्वित कृषि की ओर बढ़ना होगा। तभी हमारे ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास संभव हो सकेगा। साथ हीइस दिशा में राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही नवीन योजनाओं एवं विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की उन्होंने सराहना की।

राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि छत्तीसगढ़ आदिवासी बहुल एवं कृषि प्रधान राज्य है। यहां की कृषि अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने के लिए खेती में नवीनतम कृषि तकनीक, मशीनरी, उन्नत बीज, आधुनिक तरीके से खेती और सिंचाई के उन्नत उपायों को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित किए जाने की आवश्यकता है। यहां के आदिवासी अपने जीवन यापन हेतु वनोपज और कृषि पर मुख्य रूप से निर्भर हैं। इनके उत्थान हेतु कार्य करना एवं इन्हें मुख्य धारा में शामिल करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस अवसर पर राज्यपाल ने जलवायु परिवर्तन का भी उल्लेख करते हुए कहा कि आज के दौर में भारतीय उपमहाद्वीप में हजारों ग्लेशियर पिघलने की स्थिति में हैं। इससे करोड़ों की आबादी प्रभावित होगी। इनसे न केवल पीने के पानी की समस्या होगी बल्कि बाढ़ का खतरा आदि की समस्या भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को हम-आप सभी रोज ही महसूस कर रहे हैं। मौसम में परिवर्तन और ऋतुओं का चक्र अनियमित हो गया है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन मनुष्य के लालच का परिणाम है। इसलिए हमें संसाधनों के बेतहाशा दोहन से बचना होगा। महात्मा गांधी के कथन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ''प्रकृति मानव की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करती है, किन्तु हर मनुष्य के लालच की पूर्ति नहीं करती।

कौशिल्या मातृत्व योजना : जिले के 34 महिलायें लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शुरू की गई कौशिल्या मातृत्व योजना से कांकेर जिले के 34 महिलायें लाभान्वित हुई हैं। लाभान्वित सभी महिलाओं को उनके बैंक खाता में 05-05 हजार रूपये की सहायता राशि हस्तांतरित की गई है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 01 जनवरी 2022 से शुरू की गई कौशिल्या मातृत्व योजना के तहत् सामाजिक आर्थिक जनगणना में चिन्हांकित सूचकांक परिवारों के सभी पात्र माताओं को जिनकी द्वितीय संतान बालिका का जन्म 01 जनवरी 2022 या उसके बाद हुई हो, उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य बालिका भ्रूण हत्या रोकने और बालिकाओं के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना, गर्भावस्था, सुरक्षित प्रसव और स्तनपान की अवधि के दौरान उपयुक्त पद्धतियों, देखरेख एवं सेवाओं के उपयोग को बढ़ावा देना है। सामाजिक आर्थिक जनगणना में पात्र महिला हितग्राही के द्वितीय संतान बालिका के जन्म पर सहायता राशि प्रदान करना ताकि महिलायें बच्चे के जन्म के बाद पर्याप्त विश्राम कर सकें, मातायें स्वयं एवं बालिका के उत्तम स्वास्थ्य हेतु पर्याप्त ध्यान दे सके।

कौशिल्या मातृत्व योजनांतर्गत दुर्गूकोन्दल परियोजना से भारती साहू, कोयलीबेड़ा परियोजना से लोकेश्वरी नाग एवं सुवेश कोमरा, कांकेर परियोजना से योगिता विश्वकर्मा, देविका तारम, भारती साहू , सुनीता मण्डावी, गितेश्वरी कोमरा, अनुसुईया बाई कांगे, पिंकी पाल, हेमलता साहू, योगिता ठाकुर, महेक बेगम, नागेश्वरी कावड़े, निशा मरकाम, सरिता पटेल, अपराजिता मण्डल तथा नरहरपुर परियोजना से श्यामबाई वट्टी, ललिता नाग, अनिता टेकाम, दिनेश्वरी निषाद, बुधियारिन कृषान एवं चारामा परियोजना से धनेश्वरी यादव, कीर्तिका, जगबती, जयंत्री नाईक, शिवरात्री मण्डावी, खेमीन बाई देवांगन, बसंती बाई कुंजाम, कविता मण्डावी, अजिता साहू, कान्ती केमरो को लाभान्वित किया गया है। उल्लेखनीय कौशल्या मातृत्व योजना का लाभ प्राप्त करने की इच्छुक पात्र महिलाओं को आंगनबाड़ी केन्द्र में पंजीयन कराना होता है। इसके लिए लाभार्थियों को स्वंय द्वारा हस्ताक्षरित वचन पत्र, सहमति पत्र तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र पूर्ण रूप से भरकर आंगनबाड़ी केन्द्र में प्रस्तुत करना होता है। आवेदन पत्र आंगनबाड़ी केन्द्र से नि:शुल्क प्राप्त किये जा सकते हैं। इसके अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग छत्तीसगढ़ की वेबसाईट से भी आवेदन पत्र डाउनलोड किया जा सकता है।

जर्जर सड़क की मरम्मत जल्द करे - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव । कलेक्टर डोमन सिंह ने जिले में राज्योत्सव की तैयारी के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जोन स्तर पर छत्तीसगढ़ी ओलम्पिक प्रारंभ हो गया है। सभी अधिकारी खेल गतिविधियों की मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि जर्जर सड़क की मरम्मत युद्ध स्तर पर किया जाना है।

नगर निगम स्थानीय सतर पर सड़कों के मरम्मत कार्य की मॉनिटरिंग करे साथ ही पीडब्ल्यूडी, आरईएस, पीएमजेएसवाई एवं अन्य निर्माण एजेंसी सड़क निर्माण के कार्य में तेजी लाएं। उन्होंने धान खरीदी की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी एसडीएम मिलर्स एवं पीडीएस दुकानों से बारदाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिले में स्थित अंतर्राज्यीय सीमावर्ती चेक पोस्ट में निगरानी के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम कोचियों एवं बिचौलियों पर नजर रखेंगे तथा धान के अवैध परिवहन की रोकथाम के लिए कड़ी कार्रवाई करेंगे। जिले में चिन्हांकित संवेदनशील खरीदी केन्द्रों में पड़ोसी राज्यों से धान के बिक्री की आशंका बनी रहती है, इसे देखते हुए सतत एवं सजग रहते हुए धान खरीदी का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि धान उपार्जन केन्द्रों में चबूतरों पर शेड निर्माण होना चाहिए। उन्होंने धान उपार्जन केन्द्रों में पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए तथा जल निकासी के लिए नाली निर्माण हेतु कहा। कलेक्टर ने कहा कि यालस्को, अनमोल इंडिया, सहारा इंडिया जैसे चिटफंड कंपनियों से निवेशकों को राशि वापस दिलाने का कार्य में गति लाएं। उन्होंने कहा कि राज्य की कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए शासन द्वारा रामायण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए रामायण मंडली जनपद पंचायत कार्यालय में पंजीयन करा सकते हैं। उक्त बातें कलेक्टर सिंह ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में कही।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भेंट-मुलाकात कार्यक्रम पूरी तैयारी रखें। उन्होंने कहा कि विकेन्द्रित जनचौपाल में एसडीएम के साथ अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहेंगे। प्रति शुक्रवार विकासखंड स्तरीय भ्रमण सह निरीक्षण में जिला स्तरीय अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सभी अपने ड्यूटी पर उपस्थित रहेंगे एवं निरीक्षण संबंधी प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग पर हुआ प्रशिक्षण

रायपुर। सर्वाइकल या गर्भाशय कैंसर की स्क्रीनिंग को बेहतर करने के उद्देश्य से मेडिकल ऑफिसर एवं स्टाफनर्स को प्रशिक्षित किया गया ताकि समय रहते सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित महिलाओं को उचित चिकित्सीय परामर्श मिल सके । प्रशिक्षण की जानकारी देते हुए गैर संचारी रोग की जिला सलाहकार डॉ.सृष्टि यदु ने बताया: 'सर्वाइकल कैंसर के संभावितों मरीजों की समय पर स्क्रीनिंग और उन्हे समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जिले के 25 मेडिकल ऑफिसरों एवं 66 नर्सों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आज 18 अक्टूबर को 09 मेडिकल ऑफिसर और 30 नर्सों को प्रशिक्षण दिया गया।

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अब 1312.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 1312.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 18 अक्टूबर तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2446.8 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 640.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 1074.9 मिमी, बलरामपुर में 1116.0 मिमी, जशपुर में 1142.3 मिमी, कोरिया में 925.4 मिमी, रायपुर में 960.1 मिमी, बलौदाबाजार में 1212.0 मिमी, गरियाबंद में 1309.1 मिमी, महासमुंद में 1179.1 मिमी, धमतरी में 1357.0 मिमी, बिलासपुर में 1501.7 मिमी, मुंगेली में 1382.9 मिमी, रायगढ़ में 1251.9 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1405.9 मिमी, कोरबा में 1264.2 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 1125.9 मिमी, दुर्ग में 1042.8 मिमी, कबीरधाम में 1200.6 मिमी, राजनांदगांव में 1270.9 मिमी, बालोद में 1343.9 मिमी, बेमेतरा में 757.2 मिमी, बस्तर में 1884.7 मिमी, कोण्डागांव में 1328.5 मिमी, कांकेर में 1609.2 मिमी, नारायणपुर में 1528.9 मिमी, दंतेवाड़ा में 1852.9 मिमी और सुकमा में 1628.9 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा हेड कांस्टेबल दिल्ली पुलिस की परीक्षा 21 से 28 अक्टूबर तक

रायपुर। कर्मचारी चयन आयोग द्वारा हेड कांस्टेबल (असिस्टेंट वायरलेस ऑपरेटर) पद दिल्ली पुलिस की परीक्षा 21 अक्टूबर से 28 अक्टूबर को आयोजित होगी। यह परीक्षा सुबह 9 बजे से शाम 6.30 बजे तक तीन शिफ्टों में आयोग द्वारा निर्धारित परीक्षा केन्द्र रायपुर शहर स्थित सरोना पार्थिवी प्रोविंश कामर्शियल कॉम्पलेक्स सन्त रविदास वार्ड नं. 70 में संचालित किया जायेगा। इस परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर सुश्री रूचि शर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

मंत्री डॉ. डहरिया ने आमजनों से की भेंट

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने आज यहां रायपुर में स्थित उनके शासकीय आवास पर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्र से आए जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से भेंट मुलाकात कर उनसे उनकी क्षेत्रीय समस्याओं एवं विकास कार्यों के संबंध में चर्चा की। लोगों ने मंत्री डॉ. डहरिया से अपनी समस्याओं के संबंध में आवेदन भी दिए। डॉ. डहरिया ने लोगों की समस्याओं के निराकरण करने का भरोसा दिलाया। गौरतलब है कि नगरीय प्रशासन मंत्री से प्रत्येक मंगलवार जनदर्शन कार्यक्रम के तहत प्रदेश के विभिन्न जगहों से लोग स्वस्फूर्त मिलने आते है।

अप्रवासी भारतीय देंगे राज्य की प्रगति में योगदान

विदेशों में छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति व साहित्य का होगा प्रचार-प्रसार

अप्रवासियों से जीवंत संबंध रखने एनआरआई सेल की बैठक

निवेश और तकनीकी हस्तांतरण जैसे मुद्दों पर सहयोग लेने हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विदेशों में निवासरत छत्तीसगढ़ के अप्रवासी भारतीयों को एक सूत्र में जोड़ने और छत्तीसगढ़ की कला एवं साहित्य को संजोये रखने तथा प्रचार-प्रसार करने के लिए गठित एनआरआई सेल की पहली बैठक सम्पन्न हुई। गृह विभाग के प्रमुख सचिव मनोज पिंगवा की अध्यक्षता में हुई एनआरआई सेल की इस बैठक में विदेशों में रह रहे ऐसे अप्रवासी भारतीयों के साथ जीवंत संबंध बनाये रखने एवं राज्य की प्रगति के लिए आवश्यक सुझाव लेने एवं सूचना प्राप्त करने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। बैठक मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित की गई थी।

बैठक में छत्तीसगढ़ के अप्रवासी भारतीयों का डेटा तैयार करने तथा छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति में रूचि रखने वाले ऐसे अप्रवासी भारतीयों को छत्तीसगढ़ राज्य में गठित एनआरआई सेल में समन्वयक नियुक्त करने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। बैठक में अप्रवासी भारतीय के हितों के अनुरूप सभी गतिविधियां को प्रोत्साहित करने के लिए छत्तीसगढ़ साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ाने और विकसित करने के लिए देश से बाहर निवास करने वाले अप्रवासी भारतीयों को संयोजन और निवेश के अवसर प्रदान करने के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई।

अप्रवासी भारतीयों को राज्य में शैक्षिक क्षेत्र के विकास कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने और राज्य में सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र के विकास कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कार्ययोजना बनाने के संबंध शिक्षा एवं संस्कृति विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा गया है। बैठक में अप्रवासी भारतीयों के संगठनों की गणना तथा उनके संगठनों का एक नेटवर्क बनाने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में अप्रवासी भारतीय से विदेश की तकनीक और शैक्षिक संस्थाओं में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं अनुसंधान और निवेश को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक सुझाव लेने और छत्तीसगढ़ राज्य में एनआरआई सेल की जरूरत के मुताबिक जोड़ने, समाधान हेतु वन स्टाप शॉप के रूप में कार्य करने के संबंध में सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव दिए।

बैठक में संस्कृति विभाग के सचिव पी.अन्बलगन, गृह विभाग के सचिव अरूण देव गौतम, शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस.भारतीदासन, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डी.डी.सिंह सहित गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

अति पिछड़े और दुर्गम क्षेत्रों तक भी पहुंचेगी उच्च शिक्षा की रोशनी

पीपीपी मॉडल से संचालित होंगे कॉलेज, कैबिनेट की बैठक में लिया गया निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों के तहत अब एक और नवाचार किया जा रहा है, जिससे अति पिछड़े और सुदूर व दुर्गम क्षेत्रों तक भी उच्च शिक्षा की रोशनी पहुंच सकेगी। इस नवाचार के तहत अब पीपीपी मॉडल में कॉलेजों का संचालन किया जाएगा। प्रस्तावित पीपीपी मॉडल में यह व्यवस्था प्रारंभ से ही निजी महाविद्यालयों को दी जाएगी। इस संबंध में बीते 17 अक्टूबर को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में पीपीपी मॉडल पर प्रारंभ किए जाने वाले महाविद्यालय प्रदेश के लिए एक नवाचार है। पूर्व में इस प्रकार की कोई योजना लागू नहीं की गई है और न ही कोई निजी महाविद्यालय इस योजना में दी गई व्यवस्था के तहत संचालित हो रहे हैं। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश अशासकीय महाविद्यालय और संस्था (स्थापना एवं विनियमन) अधिनियम के तहत प्रदेश में कुल 12 निजी महाविद्यालयों को शत प्रतिशत् नियमित अनुदान के तहत संचालित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के पश्चात चार निजी महाविद्यालयों को छत्तीसगढ़ अशासकीय महाविद्यालय और संस्था (स्थापना एवं विनियमन) अधिनियम, 2006 के तहत कैबिनेट की मंजूरी के बाद 50 प्रतिशत प्रदान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इस अधिनियम के तहत तीन वर्ष में एक बार तदर्थ अनुदान अधिकतम पांच लाख रुपये तक भवन विस्तार, फर्नीचर, उपकरण क्रय के लिए दिया जा सकता है। आवेदन के आधार पर अनुदान की स्वीकृति दी जाती है।

अब तक छत्तीसगढ़ अशासकीय महाविद्यालय और संस्था (स्थापना एवं विनियमन) अधिनियम, 2006 के आधार पर उपर्युक्त अनुदान केवल उन्ही निजी महाविद्यालयों को प्रदान की जाती है, जिनका संचालन न्यूनतम 10 वर्ष पूर्ण हो चुका है, लेकिन प्रस्तावित पी. पी.पी. मॉडल में यह व्यवस्था प्रारंभ से ही निजी महाविद्यालयों को दी जाएगी।

मोबाइल में घंटों चैटिंग करके अपने पांव पर कुल्हाड़ी न चलाएं : ललितप्रभ महाराज

रायपुर। ललितप्रभ महाराज ने कहा कि आजकल मोबाइल ने बच्चों से लेकर बड़ों तक सबको आलसी बना लिया है। जिस मोबाइल का आविष्कार समय और शक्ति की बचत करने के लिए हुआ था, आज वही सबसे ज्यादा हमारे समय को बर्बाद कर रहा है। आज के समय में अगर कोई सबसे बड़ी बुरी लत है तो वह है मोबाइल का ज्यादा उपयोग करना, जिसके चलते बच्चे न तो खेलकूद कर पा रहे हैं, न पढ़ाई पर कंसंट्रेट हो पा रहे हैं और न ही अपने घर वालों का सहयोग कर पा रहे हैं। मोबाइल में गेम खेलने, मूवी देखने, सोश्यल मीडिया पर घंटों चैटिंग करके हम अपने ही हाथों अपने पाँवों पर कुल्हाड़ी चला रहे हैं।

संत प्रवर मंगलवार को सीमंधर स्वामी जैन ट्रस्ट द्वारा भैरव सोसायटी जैन मंदिर में आयोजित प्रवचन तीन दिवसीय प्रवचन माला के दूसरे दिन श्रद्धालु भाई बहनों को संबोधित कर रहे थे। संतप्रवर ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए उड़ना शुरू करो, उड़ नहीं सकते तो दौड़ना शुरू करो, दौड़ नहीं सकते तो चलना शुरू करो, चल नहीं सकते तो सरकना शुरू करो, पर कोशिश अवश्य करते रहो। हार के डर से आगे बढ़ना मत छोड़ो। ठोकर के डर से चलना छोड़ देंगे, घाटे के डर से बिजनेस करना छोड़ देंगे तो जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ पाएँगे। भाई नरेन्द्र मोदी केवल राजयोग के चलते प्रधानमंत्री नहीं बने हैं। उनकी सफलता के पीछे अगर सबसे बड़ा कोई कारण है तो वह है उनकी एक्टिवनेस। वे सुबह 4:30 बजे जगकर रात को 11 बजे तक निरंतर काम करते रहते हैं, इसी के चलते वे विश्व के महान लोगों में शरीक हो गये।

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तीकरण योजना का फायदा लेकर बेटियां गढ़ेंगी भविष्य: मंत्री डॉ. डहरिया

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तीकरण योजना के 362 हितग्राहियों को 72.40 लाख रूपए की राशि के चेक वितरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने प्रदेश के श्रमिक भाईयों से कहा है कि छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग की योजनाओं का फायदा उठाकर वे अपने परिवार को खुशहाल बनायें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए है कि अधिक से अधिक श्रमिकों को योजना लाभांवित करें। नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. डहरिया ने रायपुर जिले के आरंग में नया कृषि उपज मंडी में मुख्यमंत्री नोनी सशक्तीकरण सहायता योजना के तहत हितग्राहियों को चेक वितरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। डॉ. डहरिया ने आरंग में 362 हितग्राहियों को 72 लाख 40 हजार रूपए की राशि का वितरण किया।

मंत्री डॉ. डहरिया ने कहा कि नोनी सशक्तिकरण योजना के माध्यम से ना केवल हम अपनी बेटियों का भविष्य गढ़ रहे हैं, बल्कि इसके माध्यम से हम अपने आने वाले छत्तीसगढ़ के स्वाभिमान को को गढ़ रहे हैं, मैं ऐसा इसलिए कहा रहा हूं, जब हमारी बेटियां सशक्त और समर्थ होगी तो वह भविष्य में बेहतर परिवार को तैयार कर सकेंगी, हमारी सामाजिक व्यवस्था में बेटियों का सम्मान है, बेटियों का स्थान है, आज की बेटी कल की नारी, इसलिए आवश्यक है कि हम अपनी बेटियों का अच्छे ढंग से लालन-पालन करें उन्हें पढ़ायें-लिखाएं उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान दें। डॉ. डहरिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार ने अपने प्रदेश की लाडली बेटियों के लिए उनके भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से इस योजना को आरंभ किया है।

डॉ. डहरिया ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग के अंतर्गत सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित श्रमिकों की बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से तथा उन्हें शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार तथा उनके विवाह के लिए सहयोग राशि प्रदान करने मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना संचालित की जा रही है।

नोनी संवारथे घर अंगना: मंत्री डहरिया

मंत्री डॉ. डहरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के चेक वितरण के इस कार्यक्रम में आप सब लोग के मध्य उपस्थित होकर मुझे अपार प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है, बेटी को हमारी मातृभाषा छत्तीसगढ़ी में हम लोग नोनी कहते है, इसलिए हमारे छत्तीसगढ़िया मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बेटियों के कल्याण और सम्मान से जुड़ी इस योजना का नाम नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना रखा है। हमारे छत्तीसगढ़ में कहावत है, नोनी संवारथे घर अंगना मतलब बेटियों से ही घर की सुंदरता है, घर की रौनक है। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वकांक्षी योजना मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना है। इस योजना के माध्यम से हम अपनी बेटियों का भविष्य गढ़ रहे हैं। प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल ने इस योजना के क्रियान्वयन के प्रति जो अपेक्षा की इसके मुताबिक हमारे आरंग विधानसभा क्षेत्र सहित प्रदेश के सभी जिलों में योजना का सफल क्रियान्वयन हो रहा है। इसके लिए विभाग के संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों को मैं बधाई देता हूं।

अवेर्नेस मीट में परीक्षण एवं जांच की मान्यता के विषय पर हुआ सत्र का आयोजन

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित अवेर्नेस मीट में एनएबीएल के अधिकारियों ने रखी बात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पांच दिवसीय एग्री कार्निवल-2022, अंतर्राष्ट्रीय कृषि मड़ई में आज भारत सरकार की मान्यता प्राप्त जांच एजेंसी राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड द्वारा अवेर्नेस मीट में परीक्षण एवं जांच की मान्यता पर केंद्रित विषय पर सत्र का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि एनएबीएल के सीईओ एन. वेंकटेश्वरन रहे और अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। कुलपति डॉ. चंदेल ने एनएबीएल बोर्ड का स्वागत करते हुए कहा कि हम अन्नदाता हेल्पिंग इंस्टिट्यूशन हैं, जो लगातार किसानों के हित में कृषि नवोन्मेष एवं शोध के कार्यों को बढ़ावा देने की दिशा में प्रयासरत हैं।

इस सत्र में एनएबीएल के सीईओ एन. वेंकटेश्वरन के साथ एजेंसी के निदेशकों अनुजा आनंद, मल्लिका गोपे, अनिता रानी ने विभिन्न संस्थानों, शासकीय एवं निजी प्रयोगशालाओं के प्रतिनिधियों एवं विश्वविद्यालय के शोधार्थियों और छात्रों को अलग-अलग मानकों के आधार में परीक्षण एवं जांच की प्रक्रिया को समझाया। बोर्ड के सदस्यों ने जांच की प्रकिया, लैब में परीक्षण एवं जांच के पैमाने एवं अन्य मानकों के आधार पर बात रखी।

अवेयरनेस मीट को संबोधित करते हुए एनएबीएल के सीईओ वेंकटेश्वरन ने कहा कि स्वास्थ्य और पोषकता की जो समस्या हमारे बीच है, उसे दूर करते हुए लोगों को गुणवत्तापूर्ण पोषक आहार कैसे मिले, हम इस उद्देश्य के साथ काम करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। लोगों की थाली में जाने से पहले चांवल, गेहूं, दाल जैसे अनेकों वस्तुओं को परीक्षण की कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, यह जानने के लिए कि खाना सुरक्षित है या नहीं हमें लैब की जरूरत पड़ती है, लैब में परीक्षण के अनुकूल सुविधाओं की उपलब्धता है या नहीं, गुणवत्ता के सभी तथ्यों का ध्यान रखते हुए एनएबीएल लैब को एक्रीडिटेशन प्रदान करती है। इसके पश्चात निदेशक अनुजा आनंद ने एक्रीडिटेशन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हम टेस्टिंग के माध्यम से गुणवत्ता का समर्थन करने का काम करते हैं।

निदेशक मल्लिका गोपे ने कहा कि हम गुणवत्तापूर्ण और शत प्रतिशत सत्यापन का उद्देश्य लेकर काम करते हैं, ताकि परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं की गुणवत्ता और तकनीकी क्षमता को इसके आधार पर मूल्यांकन प्रदान कर सके। एनएबीएल के संयुक्त निदेशक अनिता रानी ने एजेंसी की कार्यशैली के बारे में बताया और कहा कि मानव की मूलभूत जरूरत खान-पान एवं अन्य जरूरी उपयोगी वस्तुओं को निर्धारित मानकों के अनुकूल परीक्षण को बढ़ावा देना हमारा उद्देश्य है। अवेयरनेस मीट के दौरान एनएबीएल बोर्ड के सदस्यों ने एजेंसी की विश्वस्तरीय परीक्षण व्यवस्था और सत्यापन की वैधता को लेकर भी विस्तार से बात रखी और सत्र में उपस्थित प्रतिनिधियों के सवालों के जवाब भी दिए।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

पटाखों के धुएं से अगर जले आंखें
इन नुस्खों से मिलेगा आराम

आने वाले दिनों में दिवाली का त्यौहार हैं जिसे देशभर में हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता हैं। जहां इस त्यौहार पर रोशनी और रौनक होती हैं वहीँ पटाखों की धूम भी होती हैं। पटाखें जलाना सभी पसंद करते हैं लेकिन इससे निकलने वाले धुंए की वजह से लोगों को सेहत से जुड़ी कई परेशानियों का सामना भी करना पड़ता हैं, जिसमें से एक हैं आंखों की जलन। आंखें हमारे शरीर के सबसे नाजुक एवं संवेदनशील अंगों में से एक है, इसलिए इन पर किसी भी चीज का प्रभाव बहुत जल्दी पड़ता है। पटाखें के धुंए से आंखों में जलन या दर्द एक आम समस्या है, लेकिन इसपर ध्यान दिए जाने की जरूरत है, क्योंकि इसे नजरअंदाज करने पर आंखों की गंभीर समस्या का सामना भी करना पड़ सकता है। आज इस कड़ी में हम आपको कुछ घरेलू नुस्खें बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से आंखों की जलन में आराम मिलेगा। आइये जानते हैं इन उपायों के बारे में...

ठंडा पानी

आंखों में जलन और खुजली आदि समस्या होने पर ठंडे पानी से उन्हें धो लेना चाहिए। इसके लिए सबसे पहले आप एक बर्तन में ठंडा पानी लें और उससे आंखों को अच्छी तरह से धोए। इससे आंखों में जमा मिट्टी और धूल निकल जाती है। अगर आंखों में सूजन हो तो इसमें भी ठंडे पानी से आंखों को धोने पर फायदा होता है। इसके अलावा किसी कपड़े में बर्फ रख कर उससे आंखों को सेंक लें। ठंडे पानी में शहद मिला कर भी धोने से आंखों को काफी आराम मिलता है।

गुलाब जल

आंखों में जलन या दर्द होने पर आप गुलाब जल से अपनी आंखें धोएं और हो सके तो आंखों में गुलाब जल की एक बूंद भी डालें। इससे आपको दर्द से तुरंत राहत मिलेगी। वैसे सोने से पहले रोजाना आंखों में गुलाब जल की 1-2 बूंदें आंखों में डालने की सलाह दी जाती है।

कैस्टर ऑयल

आंखों से जुड़ी ज्यादातर परेशानियों को आप कैस्टर ऑयल के इस्तेमाल से दूर कर सकते हैं। रूई के एक टुकड़े को कैस्टर ऑयल में डुबोकर हल्के हाथों से निचोड़ लें। इसके बाद इन्हें आंखों पर रखकर लेट जाएं। आप चाहें तो उंगलियों में कैस्टर ऑयल लगाकर हल्के हाथों से मसाज भी कर सकते हैं।

टी-बैग्स

आंखों में जलन के इलाज के लिए आप ग्रीन टी-बैग्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके उपयोग से पहले आप टी-बैग्स को फ्रिज में ठंडा कर लें और उसके बाद उसे अपनी आंखों पर रखें। इससे आपको आंखों की जलन की समस्या में राहत मिलेगी।

ठंडा दूध

ठंडे दूध से आंखें साफ करना भी एक कारगर उपाय है। दूध में मौजूद कई तत्व आंखों के संक्रमण और थकान को दूर करने में मददगार होते हैं। आप चाहें तो ठंडे दूध का पैच बना सकते हैं या फिर ठंडे दूध से आंखों पर मसाज कर सकते हैं।

खीरा

खीरे की तासीर काफी ठंडी होती है और यही कारण है कि गर्मी के दिनों में लोग इसका खूब सेवन करते हैं। पर क्या आपको पता है कि खीरा आंखों की जलन की समस्या से छुटकारा दिलाने में भी लाभदायक है। दरअसल, खीरे का प्रभाव शीतल होता है, इसलिए आंखों की जलन में इससे राहत मिलती है। इसके लिए पहले आप खीरे को फ्रिज में रख कर ठंडा कर दें। फिर उसे काटकर उसके टुकड़े को आंखों पर कुछ देर के लिए लगाएं।

एलोवेरा

आंखों की समस्या में एलोवेरा भी काफी फायदेमंद होता है। इससे जलन और सूजन में बहुत जल्दी राहत मिलती है। एक से दो चम्मच एलोवेरा जेल लेकर उसे एक कप ठंडे पानी में मिला दें। फिर इसमें कॉटन डुबो कर उसे आंखों पर रखें। दिन में दो से तीन बार यह उपाय करने से आंखों में जलन और सूजन की समस्या खत्म हो जाती है।

आलू का रस

आलू का रस भी आंखों के लिए अच्छा होता है। जब भी आपको आंखों में दर्द या जलन की समस्या हो तो आलू के ताजे कटे हुए स्लाइस को आंखों पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा आलू का रस भी आंखों पर लगाया जा सकता है।

ग्लिटर बनाएगा आपके मेकअप लुक को और भी बेहतरीन, लगाते समय रखें इन बातों का ख्याल

महिलाओं के बीच मेकअप का काफी ज्यादा क्रेज रहता है। अपने लुक को खास बनाने के लिए महिलाएं तरह-तरह के मेकअप करना पसंद करती हैं। महिलाएं हर संभव प्रयास करती हैं कि उनका मेकअप उनके लुक को बेहतर बनाने में मदद करें और इसके लिए आजकल ग्लिटर का इस्तेमाल करना काफी ट्रेन्ड में हैं। ग्लिटर मेकअप आंखों के साथ-साथ चेहरे की सुंदरता में भी चार चांद लगा देता है। लेकिन जरूरी हैं कि यह जाना जाए कि इसका सही इस्तेमाल कैसे किया जाए ताकि आपको परफेक्ट लुक मिल सकें। सही जानकारी होने से ही आप बेहतरीन लुक पा सकेंगी। इसलिए आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं कि मेकअप के दौरान किस तरह ग्लिटर का सही इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

ग्लिटर चाहिए भी या नहीं

ज्यादातर समय जब जब लोग ग्लिटर यूज कर रहे होते हैं, तो वो स्पार्कली लुक पाने की चाहत रखते हैं। लेकिन अगर ग्लिटर को सही, एकसार न लगाया जाए तो ये शाइनी तो दिखते हैं, लेकिन वैसा कमाल नहीं कर पाते जैसा इन्हें करना चाहिए। इससे अधिक शाइन मेटैलिक आईशैडो यूज करने से मिल जाता है।

ग्लिटर का चुनाव

अगर आप थीम पार्टी में जा रही हैं तो आई मेकअप के लिए ग्लिटर चुनते हुए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी होगा। जैसे- आपकी ड्रेस का कलर क्या है? आईशैडो के कुछ कलर यूनिवर्सल होते हैं। जैसे- ब्लैक, व्हाइट, सिल्वर या गोल्डन। इन्हें आप लगभग हर एक ड्रेस के साथ लगा सकती हैं। यूं तो ग्लिटर आई मेकअप को इवनिंग या नाइट लुक में कैरी करना अच्छा माना जाता है। लेकिन अगर आप पहले से ग्लिटर आउटफिट कैरी कर रही हैं, तो ऐसे में आप ग्लिटर आई मेकअप करना अवॉयड करें। ऐसा करने से आपके लुक में ग्लिटर ओवर हो जाता है और इससे आपका लुक बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता है। हालांकि, अगर आपने अपने आउटफिट में सिर्फ ग्लिटर टच दिया है तो ग्लिटर आई मेकअप किया जा सकता है।

सीधे ना लगाएं ग्लिटर

अगर आप ग्लिटर आई मेकअप कर रही हैं तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि कभी भी ग्लिटर को सीधे आइज पर ना लगाएं। इससे पहले आई प्राइमर या फाउंडेशन लगाना आवश्यक होता है। साथ ही आप ग्लिटर से मैचिंग शेड के आईशैडो को आइलिड पर अवश्य अप्लाई करें। हालांकि, आईशैडो कलर को लेकर आप थोड़ी एक्सपेरिमेंटल भी हो सकती हैं।

यूज करें ग्लिटर बेस

ग्लिटर को आंख पर सही तरह से लगाए रखने के लिए नॉर्मल आई प्राइमर की जगह ग्लिटर के लिए आने वाले खास बेस यूज करें। ग्लिटर बेस या ग्लिटर ग्लू, ग्लिटर को इधर-उधर फेस पर गिरने नहीं देते हैं और इससे फेस ज्यादा क्लीन दिखता है। अगल-अलग ग्लिटर बेस को यूज करने का तरीका भी अलग होता है। कुछ में ग्लिटर ग्लू को स्किन पर लगाकर ग्लिटर लगाया जाता है, जबकि कुछ में पहले ब्रश में ग्लू लगाते हैं और फिर इस ब्रश को ग्लिटर में डिप करते हैं और फिर इसे आईलिड पर लगाया जाता है।

ग्लिटर ग्लू लगाना ना भूलें

यह एक बेहद महत्वपूर्ण प्वाइंट है, जिसे अक्सर महिलाएं स्किप कर देती हैं, जिसके कारण उनका ग्लिटर कुछ ही समय के बाद डस्ट ऑफ हो जाता है। दरअसल, ग्लिटर को जब अप्लाई किया जाता है, उस समय तो वह बेहद अच्छा लगता है। लेकिन कुछ ही वक्त बाद वह धीरे-धीरे हटने लगता है। लेकिन आपके साथ ऐसा ना हो, इसलिए आइलिड पर ग्लिटर लगाने से पहले ग्लिटर ग्लू को अवश्य लगाएं। यह आंखों पर ग्लिटर को लॉन्ग लास्टिंग बनाने में मदद करता है।

ऐसे करें अप्लाई

ग्लिटर को किसी नॉर्मल आईशैडो की तरह आंखों पर लगाने की कोशिश न करें। इससे ग्लिटर मूव होता जाएगा और पैच बन जाएंगे। ग्लिटर को हमेशा आईलिड पर पैट करके प्रेस करें। इसके लिए ग्लिटर ग्लू के ऊपर सूखी उंगलियों से ग्लिटर लगाएं। एक बार पैट करें फिर ग्लिटर लें और फिर पैट करें, इस तरह से पूरी आईलिड पर ग्लिटर लगाएं।

ना करें ग्लिटर को मिक्स करने की गलती

दो रंगों के ग्लिटर को मिक्स करके अपने आउटफिट से मैच कराने जैसी गलती न करें। दो रंग के ग्लिटर बहुत मेसी लुक देते हैं और इन्हें यूनिफॉर्म तरीके से लगाना भी मुश्किल होता है। ग्लिटर तभी मिक्स करें जब दोनों ग्लिटर के कलर्स काफी हद तक सेम हो।

वैसलीन या जेल का करें इस्तेमाल

आई मेकअप में ग्लिटर आईशैडो लगाने से पहले अपनी लैश लाइन पर जेल या वैसलीन लगाएं। ऐसा करने से मेकअप ज्यादा अट्रैक्टिव लगेगा और लंबे समय तक टिकेगा भी। इस तरीके से आई मेकअप में परफेक्शन भी लाया जा सकता है।

हंसिका मोटवानी की शादी की डेट फिक्स
450 साल पुराने किले में लेंगी सात फेरे

फिल्म इंडस्ट्री में एक दशक से भी ज्यादा समय से काम कर चुकीं एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी इस साल के अंत में शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ये शादी शाही तरीके से होने जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक विवाह समारोह जयपुर में 450 साल पुराना किले में आयोजित किया जाएगा। इस किले में एक्ट्रेस की शादियों की तैयारियां चल रही हैं। शादी समारोह जयपुर के मुंडोता किले और महल में होगा। फिलहाल शादी की तारीख का खुलासा नहीं किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शादी के मेहमानों के लिए कमरों का इंतजाम किया जा रहा है। हंसिका की शादी की मेजबानी के लिए महल में तैयारियां की जा रही हैं। शादी सभी दर्शकों के लिए एक विजुअल ट्रीट होगी। बता दें कि, इस साल की शुरूआत से

हंसिका के अपकमिंग मैरिज की अफवाहें तेज हो गई थी, हालांकि, इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि उनका दूल्हा कौन है, एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक हंसिका का दूल्हा एक राजनेता का बेटा है, जो एक फेमस बिजनेमैन भी है। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए इस तरह सीक्रेट तरीके से शादी करना कोई नई बात नहीं है, हालांकि तमाम गोपनीयता के बावजूद मीडिया आउटलेट्स को फेमस सेलेब्रिटी की लव स्टोरी की जानकारी मिल ही जाती है। वर्क फ्रंट की बात करें तो, हंसिका तमिल फिल्म राउडी बेबी में एक्टिंग करती दिखेंगी। उन्होंने शाका लाका बूम बूम और सोन परी जैसे टीवी शो के साथ इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है, उन्होंने ऋतिक रोशन की कोई मिल गया में भी एक्टिंग की है।

पर्ल वी पुरी के हाथ लगा बड़ा मौका, इस फिल्म से करेंगे बॉलीवुड डेब्यू

टीवी इंडस्ट्री के पॉपुलर एक्टर पर्ल वी पुरी नागिन 3 और ब्रह्मराक्षस 2 जैसे सीरियल में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा है। अब पर्ल वी पुरी छोटे पर्दे से बड़े पर्दे की तरफ बढ़ गए हैं। दरअसल, वह बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। पर्ल वी पुरी की डेब्यू फिल्म का अनाउंसमेंट हो गया है और उसकी रिलीज डेट भी सामने आ गई है। वह फिल्म यारियां 2 में लीड एक्टर के तौर पर बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। बताते चलें इस फिल्म का पहला पार्ट यारियां साल 2014 में रिलीज हुआ था और इसमें लीड एक्टर के तौर पर हिमांश कोहली नजर आए थे। फिल्म यारियां 2 में पर्ल वी पुरी के अलावा यश दासगुप्ता, दिव्या खोसला कुमार और मीजान जाफरी भी नजर आएंगे। इस फिल्म का डायरेक्शन राधिका राव और विनय सप्रू करने वाले हैं। ये फिल्म 12 मई, 2023 को रिलीज होगी। बताते चलें कि फिल्म यारियां का डायरेक्शन दिव्या खोसला कुमार ने किया था।

ब्रालेट में नेहा मलिक ने फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर, पूल किनारे दिए सिजलिंग पोज

भोजपुरी इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस नेहा मलिक आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं. उन्होंने बहुत कम समय में एक्टिंग वर्ल्ड और दर्शकों के बीच एक खास पहचान हासिल कर ली है. हालांकि इन दिनों वह अपनी अदाओं से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं. ऐसे में नेहा की फैन फॉलोइंग तेजी से बढ़ती जा रही है. लोग उनके बारे में हर बात जानने के लिए बेताब रहते हैं. अपने प्रोजेक्ट्स के अलावा नेहा अपने लुक्स की वजह से भी काफी सुर्खियों में रहती हैं. वह अपने चाहने वालों के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. लगभग हर दिन फैंस को उनका बोल्ड लुक देखने को मिल जाता है. अब उन्होंने

फिर से अपने लेटेस्ट फोटोशूट की झलक फैंस को दिखाई है.

इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में नेहा को पिंक कलर की ब्रालेट और लोअर पहने देखा जा सकता है. इस दौरान वह अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं. इस लुक को नेहा ने लाइट मेकअप और ओपन हेयर के साथ कंप्लीट किया है. यहां वह पूल किनारे बेबाकी के साथ अपने इस लुक को दिखा कर रही हैं.

इस लुक में नेहा इतनी बोल्ड लग रही हैं कि उन पर से लोगों के लिए नजरें हटाना मुश्किल हो गया है. फैंस भी उनके इस लुक को हॉट बताते हुए कई कमेंट्स कर रहे हैं. वहीं, फैंस के बीच उनका यह लुक कुछ ही देर में तेजी से वायरल होने लगा है.

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

अधिग्रहित जमीन का नहीं मिला मुआवजा, मुख्यमंत्री ने कलेक्टर और एसडीएम को दिए निर्देश

रायपुर। बाराद्वार के कृषक गोलू बरेठ ने भेंट मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बताया कि 2010 में पावर प्लांट के नाम से अधिग्रहित की गई भूमि में अभी तक न तो उद्योग स्थापित हुआ और न ही मुआवजा मिला है। उन्होंने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि अन्य कई गांवों के किसानों से अधिग्रहित जमीन की वापसी कर दी गई है। इसी तरह ग्राम हरदी के किसान हजारी लाल चन्द्रा अपनी 41 डिसमिल जमीन का मैन्युअल में अपना नाम होने, ऋण पुस्तिका भी होने की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री को बताया कि ऑनलाइन में उनकी जमीन किसी अन्य के नाम पर दिखा रहा है। कई बार अधिकारियों के पास जाने पर भी उनकी समस्या का निराकरण नहीं हुआ है। भेंट मुलाकात में जानकी चौधरी ने वर्ष 2015-16 में जमीन अधिग्रहण के बदले मुआवजा नहीं मिलने की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। ग्राम छपोराडोमा के सखा राम साहू ने बंटवारा नहीं हो पाने से धान नहीं बेच पाने की जानकारी दी।

शा.उ.मा.विद्यालय बंगुरसिया में मनाया गया ग्लोबल हैंडवाशिंग डे

रायगढ़। कलेक्टर रानू साहू के दिशा-निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ अबिनाश मिश्रा तथा जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बंगुरसिया में ग्लोबल हैंड वाशिंग डे मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में परिचय सम्मेलन का आयोजन हुआ। तत्पश्चात बाद पिको प्रोजेक्टर के माध्यम से छात्र-छात्राओं को हैंड वाशिंग से संबंधित एनीमेशन वीडियो और हैंड वाशिंग वीडियो दिखाया गया। साथ ही स्कूल ग्राउंड में सभी छात्र-छात्राओं को हैंड वाशिंग का प्रैक्टिस कराया गया। कक्षा नवमी से बारहवीं के छात्र-छात्राओं के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला समन्वयक पायल सिन्हा के द्वारा हैंड वाशिंग से होने वाले फायदे एवं उसके रेगुलर प्रैक्टिस की जानकारी दी गई। डीएमसी शशांक शर्मा के द्वारा पिको प्रोजेक्टर के माध्यम से एनीमेशन वीडियो दिखाया गया और सभी हैंड वाशिंग स्टेप्स की जानकारी दी गई।

विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की पहली सूची जारी, 62 उम्मीदवार घोषित

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश व गुजरात में विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद भाजपा ने हिमाचल प्रदेश के लिए 62 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। भाजपा की सूची ने दावेदारों को चौंका दिया है। पहली लिस्ट में हिमाचल प्रदेश के दो बार के सीएम रहे प्रेम कुमार धूमल का टिकट कट गया है।

वहीं भाजपा ने मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को सिराज विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। भाजपा द्वारा जारी पहली सूची में 62 उम्मीदवारों की टिकट फाइनल की गई है। हिमाचल प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री रहे दिग्गज नेता प्रेम कुमार धूमल का पत्ता काट दिया गया है। प्रेम कुमार धूमल को सुजानपुर या हमीरपुर

विधानसभा सीट से टिकट दिए जाने की अटकलें लगाई जा रही थी। लेकिन इन दोनों ही सीटों पर उनका नाम नहीं है। हालांकि कहा जा रहा है कि भाजपा की दूसरी लिस्ट अभी बाकी है और संभव है प्रेम कुमार धुमल को किसी दूसरी जगह से टिकट दिया जाए।

भाजपा द्वारा जारी सूची के अनुसार हमीरपुर सीट से नरेंद्र ठाकुर और सुजानपुर सीट से कैप्टन (रिटायर्ड) रणजीत सिंह को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा उना से सतपाल सिंह सत्ती, मंडी से अनिल शर्मा, बीजेपी ने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित चुराह सीट से हंस राज, भरमौर सीट से डॉक्टर जनक राज, चम्बा सीट से इंदिरा कपूर और डलहौजी से डीएस ठाकुर को टिकट दिया है। इसी प्रकार भटियाल सीट से विक्रम जरयाल, नूरपुर से रणवीर सिंह निक्का, इंदौरा से रीता धीमान, फतेहपुर से राकेश पठानिया, जवाली से संजय गुलेरिया, जसवां प्रागपुर से विक्रम ठाकुर और जयसिंहपुर से रविंदर धीमान को टिकट दिया है। इसी प्रकार सुलह से विपिन सिंह परमार, नगरोटा से अरुण कुमार मेहरा, कांगड़ा से पवन काजल, शाहपुर से सरवीण चौधरी, धर्मशाला से राकेश चौधरी पालमपुर से त्रिलोक कपूर, बैजनाथ से मुल्खराज प्रेमी और लाहौल स्पीति सीट से बीजेपी ने डॉक्टर रामलाल मारकण्डेय, मनाली से गोविंद सिंह ठाकुर, बंजार से सुरेंदर शौरी, अन्नी से लोकेंद्र कुमार, करसोग से दीपराज कपूर, सुंदरनगर से राकेश जम्बाल, नाचन से विनोद कुमार, दरंग से पूरन चंद ठाकुर, जोगिंद्रनगर से प्रकाश राणा, धर्मपुर से रजत ठाकुर,

बल्हू से इंद्र सिंह गांधी, सरकाघाट से दलीप ठाकुर, भोरंज से अनिल धीमान, नादौन से विजय अग्निहोत्री, शिमला ग्रामीण से रवि मेहता, जुब्बल कोटखाई से चेतन बरगटा, रोहड़ू से शशि बाला और किन्नौर से सूरत नेगी को उम्मीदवार बनाया है।

12 नवंबर को होगा चुनाव

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव का नगाड़ा बज चुका है। चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के अनुसार हिमाचल की 68 विधानसभा सीटों के लिए 12 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। मतों की गिनती 8 दिसंबर को होगी। हिमाचल में एक ही चरण में चुनाव होंगे। नामांकन की आखिरी तारीख 25 अक्टूबर होगी। 27 अक्टूबर तक नामांकन पत्रों की जांच होगी। नामांकन वापस लेने की आखिरी तिथि 29 अक्टूबर होगी।

आय में वृद्धि और सबकी समृद्धि हमारी सरकार का उद्देश्य : भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की मांग पर ग्राम मुक्ता के गौठान में समतलीकरण एवं मुरूमीकरण निर्माण, मुक्ता से मालखरौदा से आगे तक सीसी रोड निर्माण, सामुदायिक भवन, ग्राम जमगहन के खनती तालाब का सौंदर्यीकरण की घोषणा की। साथ ही ग्राम मुक्ता के मुक्तिधाम में अहाता और शेड निर्माण, मुड़ातालाब में तटबंध (दीवाल), ग्राम पंचायत मालखरोदा में मुख्यमार्ग कलमी और नहरपार से चिखली, छोटेकोट, सिघरा होते हुए बेल्हाडीह तक सड़क निर्माण, ग्राम पंचायत सिंघरा में महिलाओं के प्रशिक्षण के लिए एन.आर.एल. एम डोम निर्माण, ग्राम, सारसडोल में पूर्व माध्यमिक शाला को हाई स्कूल में और ग्राम जमगहन व सुलौनी के हाई स्कूल का हायर सेकेंडरी स्कूल में उन्नयन, ग्राम मुक्ता में नवीन हाई स्कूल, में मां अष्टभुजी देवी की नगरी नगर पंचायत अडभार को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने, मालखरौदा में युवा प्रशिक्षण केंद्र में अहाता निर्माण, खर्री गांव में पुल निर्माण की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य हैं कि लोगों की आय में वृद्धि और सबकी समृद्धि है। हमने जो वादा किया था, उसे पूरा भी किया है। अल्पकालीन कृषि ऋण माफी योजना के तहत किसानों को कर्ज से मुक्ति और हाफ बिजली बिल योजना के तहत भारीभरकम बिजली बिल से राहत दी है। समर्थन मूल्य में धान की खरीदी के साथ राजीव गांधी किसान न्याय योजना के माध्यम से किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य दिलाया है। उत्पाद का

सही दाम मिलने से किसानों में समृद्धि आई है। राज्य में किसानों की संख्या, कृषि रकबा और धान का उत्पादन भी बढ़ा है। किसानों की संख्या लगभग 26 लाख हो गई है। इस खरीफ वर्ष में एक करोड़ 10 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का संभावित लक्ष्य है। साथ ही कृषि का रकबा 30 लाख हेक्टेयर हो गया है। किसान हितैषी योजनाओं से खेती-किसानी के प्रति लोगों का रूझान बढ़ा है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि आज भूमिहीन मजदूरों को सालाना 7 हजार दिया जा रहा है। राज्य में 65 प्रकार के लघुवनोपज की खरीदी की जा रही है। सभी का वैल्यू एडिशन कर रोजगार के साथ आमदनी में वृद्धि की जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों ,पुलिस, नर्स, सहित अन्य पदों पर भर्ती की गई है। सभी ब्लॉक के चिन्हित गौठान में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क लगाकर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा और मार्केटिंग के साथ रोजगार का अवसर भी बढ़ा है। राजीव मितान क्लब के माध्यम से छत्तीसगढ़ की संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय खेलकूद, शासन की योजनाओं की जानकारी लोगों को दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने भेंट मुलाकात में राज्य शासन की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ग्रामीणों से ली। इस दौरान ग्राम मुक्ता के किसान श्री गजानंद गबेल ने बताया कि उनका ढाई लाख रुपये का कृषि ऋण माफ हुआ है। उन्होंने समर्थन मूल्य में धान की बिक्री किया। उनका 20 एकड़ कृषि भूमि है, जिसमे खेती करता है और धान बेचने से राजीव गांधी किसान न्याय योजना से हुई आमदनी से पौने दो एकड़ खेत खरीदने के साथ अपनी पत्नी के लिए भी सामान खरीदा है।

ग्राम चिखली निवासी किसान भगत राम चन्द्रा ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनका लगभग सवा लाख से अधिक का कृषि ऋण माफ हुआ है। उन्होंने भी 3 एकड़ में उत्पादित धान बेचा है और राशि मिलने से पत्नी के लिए साड़ी खरीदा है एवं सिंचाई के लिए बोर भी खुदवाया है। ग्राम जगमहन की पूजा खरे ने बताया कि उनका गरीबी रेखा का राशन कार्ड बन जाने से उसके बेटे का एडमिशन स्वामी आत्मानन्द शासकीय अंग्रेजी विद्यालय में हुआ है। उन्हें समय पर 35 किलो चावल, शक्कर, नमक भी मिल जाता है।

रीड एलॉन्ग एप्प बढ़ायेगा बच्चों की लर्निंग क्षमता

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। कलेक्टर हरिस एस. ने सुकमा जिले में शिक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे बुनियादी शिक्षा अभियान को आगे बढ़ाते हुए नीति आयोग की सहयोगी संस्था पिरामल फाउंडेशन के सहयोग से गूगल के मोबाइल एप्लिकेशन ''रीड एलॉन्ग'' के द्वारा ब्लेंडेड लर्निंग तकनीक के कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी नितिन डंडसेना, डीएमसी एसएस चौहान खण्ड शिक्षा अधिकारी सुकमा रीना सिंह सहित शिक्षक और स्कूली बच्चे मुख्य रूप से मौजूद थे।

कार्यक्रम का संयोजन जिला शिक्षा अधिकारी नितिन डड़सेना व पिरामल फाउंडेशन के कार्यक्रम प्रबंधक अमित गोरे ने किया व रीड एलॉन्ग ऐप्लिकेशन की जानकारी कार्यक्रम प्रबंधक स्वप्नेश चौहान ने दी। संस्था से उपस्थित लोगों में कार्यक्रम लीडर स्टीफन मस्कनह्नी और गांधी फेलो योगिता, काजल, सूरज व सचिन उपस्थित थे।

कलेक्टर हरिस एस ने इस अवसर पर खण्ड स्तरीय कार्यशाला के माध्यम से एप्प के उपयोग को लेकर बच्चों सहित उनके पालकों एवं शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करने की कार्ययोजना तैयार करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को कहा। जिससे कक्षा के साथ ही घर पर भी बच्चे पालकों की निगरानी में अपने पठन कौशल को विकसित करने में सक्षम हो। ऐप्लिकेशन में 'दिया' नाम की वॉइस एसिस्टेंट है जो कि बच्चों को मित्र की भाँति पढ़ने में सहायता करती है। दिया के निरंतर संवाद के कारण ये ऐप्लिकेशन बच्चों के लिए बहुत ही रुचिकर हो जाती है। इसमें 1000 से ज्यादा कहानियाँ व कई स्तर हैं, जो कि बच्चों को निरंतर नए शब्द सीखने में सहायक हैं। ज्यादा देर तक बच्चे एक ही चीज़ से बोर ना हो जाएं इसलिए बीच-बीच में शब्दों के खेल भी आते रहते हैं जो कि ऐप्लिकेशन को जीवंत बनाते हैं।

शिक्षक भी अपनी कक्षा के बच्चों के लिए एक रीडिंग ग्रुप बना सकते हैं, जिसके माध्यम से वो घर बैठे बच्चों के द्वारा पढ़ी गई कहानियाँ व उनके स्तर पर नज़र रख सकते हैं और बच्चों को और अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। सुकमा जिले के लिए ऐप्लिकेशन में पार्टनर कोड 1234नाउ डालना होगा ताकि जिला प्रशासन बच्चों की प्रगति को देख सके व प्रोत्साहित कर सके।

बहन साथ रहती थी, उसकी जमीन पर खेती करते थे, रिकार्ड देखा तो किसी और के नाम जमीन थी, बोरई के किसान ने की शिकायत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । पोटिया के एक किसान ने आज जनदर्शन में अपनी समस्या रखी। इस किसान ने बताया कि उसकी बहन अपने पति से विवाह विच्छेद होने के पश्चात 1987 से उनके पास रह रही थीं और नकी कोई संतान नहीं थी इसलिए बोरी की उनकी जमीन की देखरेख उन्हीं के द्वारा की जाती थी। बहन ने अपनी भूमि का स्वामित्व मेरे नाम रखा था। बहन की मृत्यु के पश्चात कुछ दलालों ने भूमि को खरीदने की इच्छा जताई और तब जब रिकार्ड देखा गया तो भूमि किसी और के नाम पर दर्ज पाई गई।

कलेक्टर ने बोरी तहसीलदार को पूरे प्रकरण की जांच करने के निर्देश दिये। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई, श्री अरविंद एक्का, जिला पंचायत सीईओ श्री अश्विनी देवांगन, नगर निगम आयुक्त श्री रोहित व्यास एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। अवैध आटाचक्की और मसाला पिसाई

उद्योग से संबंधित शिकायत- पदुम नगर भिलाई तीन के रहवासियों ने बताया कि दीनदयाल उपाध्याय आवासीय परिसर में एक परिवार द्वारा आटाचक्की और मसाला पिसाई उद्योग से संबंधित दुकान चलाई जा रही है जिससे काफी व्यवधान होता है। इसे बंद कराने या इससे संबंधित दस्तावेज दिखाने कई बार अनुरोध किया गया लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। कलेक्टर ने इस मामले पर नियमानुसार कार्रवाई करने निर्देश अधिकारियों को दिये। भेड़सर में जल कारीडोर बनाने की मांग- बेलौदी, मालूद और भेड़सर के किसान आज जल कारीडोर की मांग की। उन्होंने कहा कि यहां का नाला भेड़ेसर के पास शिवनाथ नदी में मिलता है। यहां काफी अतिक्रमण हो गया है जिससे नाले का बहाव बंद हो गया है। यहां पर शासन की नरवा, गरूवा, घुरूवा, बाड़ी योजना के अंतर्गत निर्माण कार्य की माँग ग्रामीणों ने की। कलेक्टर ने अधिकारियों को जलसंसाधन विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में निरीक्षण करने के निर्देश दिये। कोठार के पीछे कर लिया कब्जा, फसल को ले जाने में हो रही दिक्कत- ग्राम नंदकट्ठी के एक ग्रामीण ने अपनी शिकायत दर्ज की। उसने बताया कि उसके कोठार के सामने वाली जमीन पर कब्जा कर लिया गया है। यह कब्जा आगे तथा पीछे दोनों ओर किया गया है। इससे कोठार से फसल को लाने ले जाने में असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर ने एसडीएम दुर्ग को मामले के निराकरण के निर्देश दिये। देवादा के मोहल्लावासी पहुंचे, बारिश में काफी दिक्कत की शिकायत- देवादा, पाटन ब्लाक के वार्ड क्रमांक 5 और छह के निवासी भी जनदर्शन पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनके वार्ड में लगभग 40 परिवार रहते हैं। सड़क की स्थिति बहुत खराब है। सीसीरोड बन जाएगा तो बहुत अच्छा होगा। अभी छोटे बच्चों को भी स्कूल पहुंचने में बहुत दिक्कत होती है। कपड़े भी गंदे हो जाते हैं।

जन चौपाल बना एक ऐसा मंच, जहां आम जनता से लेकर खास सबने रखी अपने बातें

कलेक्टर ने जन चौपाल कार्यक्रम में सुनी जनसमान्य की समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिला स्तर पर आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम अपने आप में बेमिसाल है। जन चौपाल कार्यक्रम के माध्यम से हर कोई सीधे कलेक्टर से संपर्क कर अपनी बात रखते हैं। जन चौपाल कार्यक्रम की सार्थकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कलेक्टर आम जनों की समस्या को तन्मयतापूर्वक सुनते हैं और उसके निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित करते हैं।

आज जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम में 28 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने जन चौपाल कार्यक्रम में आए एक-एक नागरिकों से रूबरू होकर उनकी समस्या को सुना। जन चौपाल कार्यक्रम में आज डोंगरगांव के तहसील कार्यालय में पदस्थ सेवानिवृत्त पुष्पा सलामी ने चिकित्सा प्रतिपूर्ति की राशि स्वीकृत करने संबंधी आवेदन दिया है। आवेदिका ने बताया कि वह 30 जून 2022 को सेवानिवृत्त हो गई है। कोरोना काल के दौरान बीमार पड़ने पर उनके द्वारा निजी चिकित्सालय में कोरोना का इलाज कराया गया है। जिसके चिकित्सा प्रति पूर्ति के लिए उनके द्वारा 1 वर्ष पूर्व में इलाज के दौरान हुए सभी प्रकार के दस्तावेज के साथ आवेदन लगाया गया है। 1 वर्ष बीत जाने के बाद भी उनकी चिकित्सा प्रतिपूर्ति की राशि अभी तक नहीं मिली है। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को आवेदन देते हुए निराकरण करने के लिए कहा। कलेक्टर के हाथों से आज किसानों को किसान किताब मिली। किसानों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह एक अच्छी पहल है। जिससे किसानों को राहत मिली है तथा आसानी से किसान किताब उपलब्ध हो रही है।

इसी प्रकार राजनांदगांव के वार्ड 35 कुंआ चौक निवासी मोहित ने 100 साल से अधिक समय तक काबिज आवासीय भूमि का पट्टा दिलाने संबंधी आवेदन दिया है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत बांकल के ग्राम वासियों ने आवारा पशुओं से हो रही परेशानी से निजात दिलाने, ग्राम पंचायत चंवरढाल के ग्रामीणों ने सरपंच द्वारा कराए जा रहे कार्य की अनियमितता की जांच कराने, सोमनी के सुखम बाई ने आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत करने संबंधी आवेदन दिया है। में स्थित शिवनाथ राइस मिल से निकलने वाली हानिकारक धुँआ और प्रदूषण से जनजीवन पर पड़ रहे दुष्प्रभाव से निजात दिलाने के संबंध में आवेदन प्रेषित किया है।

कलेक्टर ने की समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा

गरियाबंद। कलेक्टर प्रभात मलिक ने अधिकारियों की समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में जन शिकायत, सीपीग्राम और जन चौपाल में प्राप्त आवेदनों के निराकरण के विभागवार समीक्षा की। उन्होंने विभाग द्वारा निराकृत प्रकरण को ऑनलाईन एन्ट्री कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सीईओ जनपद पंचायत मैनपुर और उप संचालक कृषि को मैनपुर जनपद क्षेत्र में लोगों से प्राप्त शिकायतों की स्त्रोत पर जानकारी उपलब्ध कराने कहा। इसी प्रकार क्षेत्र के ग्राम बरगांव में सोलर लाईट खराब होने पश्चात अब तक बैटरी बैल्ट नहीं लगाये जाने से क्रेडा विभाग के अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि अधिकारी जनचौपाल में प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्वक निराकरण करें।

खास खबर

पत्नी ने साथ खाने से मना किया तो कर दी पिटाई, दो थानों में दर्ज हुआ मामला

बिलासपुर (ए)। सकरी क्षेत्र के ग्राम पोड़ी में रहने वाले युवक ने साथ में खाना खाने से मना करने पर अपनी पत्नी की पिटाई कर दी। इससे घायल महिला ने घटना की शिकायत कोनी थाने में की। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर लिया। घटना की जांच में पता चला कि मामला सकरी क्षेत्र का है। इस पर कोनी पुलिस ने डायरी सकरी भेज दी। अब सकरी में मामला दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है।

सकरी क्षेत्र के नवापारा पोड़ी में रहने वाली लता सूर्यवंशी की शादी चार महीने पहले जितेंद्र सूर्यवंशी से हुई। आठ अक्टूबर की रात्रि जितेंद्र ने अपनी पत्नी को साथ में खाना खाने के लिए कहा। पास में ही जेठ और अन्य रिश्तेदार थे। इस पर लता ने साथ बैठने से मना कर दिया। इससे नाराज जितेंद्र ने अपनी पत्नी की पिटाई की। मारपीट के दौरान जेठानी ममता सूर्यवंशी, सास नर्मदा सूर्यवंशी और बड़ी सास कृष्णा ने महिला को पकड़ रखा था। महिला के जेठ कमलेश ने घटना की जानकारी लता के मायके वालों को दी। इस पर लता का भाई प्रदीप, पिता रामकुमार और चाचा कीर्ति प्रभाकर वहां आए। महिला ने घटना की जानकारी उन्हें दी। इसके बाद कोनी थाने पहुंचकर मारपीट की शिकायत की। सीमा से लगे होने के कारण कोनी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया।

सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई यात्रियों से भरी बस

बिलासपुर (ए)। भोजपुरी टोल प्लाजा के पास बिलासपुर की ओर से आ रही बस के चालक ने सड़क किनारे खड़े ट्रेलर को टक्कर मार दी। हादसा सोमवार की सुबह तीन बजे हुआ। इसमें बस सवार 20 यात्रियों को चोटें आई हैं। घायलों को बिल्हा और सरगांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। वहीं, दो लोगों को स्थिति गंभीर होने पर सिम्स रेफर किया गया है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस कारणों की जांच कर रही है।

अनियंत्रित दुग्ध वाहन पलटा, 1 की मौत

गीदम। जगदलपुर से बीजापुर जा रही बस्तर डेयरी फार्म का दूध वाहन बस्तानार घाट में ओवरटेक करते समय अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में हेल्पर की मौत जो गई। वहीं ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति घायल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बस्तर डेयरी फार्म का दूध वाहन क्रमांक सीजी 17 केयू 1322 तेज रफ्तार से आ रहा था, बस्तानार घाट में ओवरटेक के दौरान मोड़ में पलट गया। इस हादसे में गाड़ी में सवार हेल्पर कार्तिक की मौके में मौत हो गई। वहीं घायल ड्राइवर और उसके साथी को कोड़ेनार पुलिस के मदद से किलेपाल अस्पताल ले जाया गया।

मॉर्निंग वॉक पर निकले युवक को पिकअप ने कुचला मौत के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। बुधवार तड़के कोरबा के तुमान-सक्ती मार्ग पर बड़ा हादसा हो गया। यहां पर मॉर्निंग वॉक पर निकले युवक को तेज रफ्तार पिकअप ने कुचल दिया। हादसे में युवक की मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने घटना स्थल पर ही चक्काजाम कर दिया। मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझा रही है। घटना कोरबा के उरगा थाना क्षेत्र का है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को समझाइश दी और तात्कालिक मुआवजा राशि दिलाकर जाम का खत्म कराया।

मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा तुमान-सक्ती मार्ग पर ग्राम ढोढातराई के पास हुआ। तुमान निवासी प्रहलाद धोबी (22) नाम का युवक बुधवार तड़के 4 बजे अपने साथी सुरेंद्र कंवर और अमित कंवर के साथ मॉर्निंग वॉक के लिए निकला था। तीनों दोस्त पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे थे। तीनों एक साथ रनिंग कर रहे थे। प्रहलाद के दोनों दोस्त आगे दौड़ रहे थे और प्रहलाद पीछे दौड़ लगा रहा था। तुमान गांव से लगभग 3 किमी दूर ढोढातराई मोड़ पर तेज रफ्तार पिकअप ने ठोकर मार दी। हादसे में युवक को गंभीर चोट आई जिससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद पिकअप चालक फरार होने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान मृतक के दोस्त व राहगीरों ने पिकअप चालक को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। यहीं नहीं इसके बाद ग्रामीण सड़क पर बैठ गए। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर आए दिन हादसे हो रहे हैं। सड़क पर चलने वाले वाहनों की रफ्तार काबू में नहीं है। साथ ग्रामीणों ने युवक की मौत के बाद परिजनों को उचित मुआवजा देने की भी मांग की।

10 हजार की दी तात्कालिक सहायता

उरगा थाना प्रभारी सनत सोनवानी ने बताया कि हादसे के बाद ग्रामीण मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। मौके पर मृतक के परिजनों को 10 हजार रुपए की तात्कालिक सहायता राशि दी गई। समझाइश के बाद ग्रामीण सड़क से हट गए। शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है और आरोपी चालक को गिरफ्तार का पिकअप को जब्त कर लिया गया है।

राजधानी रायपुर में बछड़े से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक बछड़े से दुष्कर्म की घटना हुई। घटना आजाद चौक थाना क्षेत्र का है। अग्रसेन चौक के पास तबेले में बदमाश युवक बछड़े से गंदी हरकत कर रहा था इस दौरान तबेले के मालिक ने देखा और कुछ लोगों से शोर मचाया तो बदमाश भागने लगा। लोगों ने दौड़ा कर युवक को पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। आजाद चौक पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार भैंसथान निवासी करण कुमार निर्मलकर ने शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि उसके पिता डेयरी चलाते हैं। रात में वह उनके मवेशियों की रखवाली के लिए वहीं चबूतरे पर सोता है। घटना सोमवार सुबह की है। लगभग 4.30 बजे तबेले में कुछ शोर हो रहा था तो जागने पर देखा कि एक युवक नग्न हालत में बछड़े से गंदी हरकत कर रहा था। आसपास कुछ लोगों को इखट्टा कर जब पास में पहुंचे तो वह भागने लगा। दौड़ा कर युवक को पकड़ा। युवक ने अपना नाम कमाल उर्फ मुन्ना बताया। इसके बाद आजाद चौक थाने में मामला दर्ज कर बदमाश को पुलिस को सौंपा गया।

फिल्मी स्टाइल में बनाया नकली परिवार

युवती को झांसे में लेकर की शादी और ठगे 13.8 लाख रुपए

सक्ती। छत्तीसगढ़ में एक झांसेबाज फैमिली ने युवती को झांसे में लिया और उसकी शादी कराने के बाद 13.8 लाख रुपए ठग लिए। इस पूरे मामले में हैरान करने वाली बात यह है कि झांसेबाज फैमीली एक-एक सदस्य नकली है। यह पूरी तरह से ठगी के लिए फर्जी तरीके से बनी फैमिली निकली। पुलिस ने जब इस फैमिली को गिरफ्तार किया तो वह भी हैरान रह गई। मामला सक्ती जिले के जैजेपुर थाना क्षेत्र का है।

सक्ती के ओडेकरा की रहने वाली पीड़िता ने इस मामले में शनिवार को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में महिला ने पुलिस को बताया कि सन 2019 में उसका संपर्क अरविंद चंद्रा, दिलहरण महंत, आनंद राम, विमला चौहान और पनिका दास से हुई थी। सभी एक परिवार के तौर पर उसके घर पहुंचे। इस दौरान सभी ने अपना नाम गलत बताया था। अरविंद चंद्रा ने खुद को विवेक दास बताया और विमला चौहान का नाम चमेली बाई बताते हुए अपनी मां के रूप में परिचय कराया। इसके अलावा आनंद राम को अपना बड़ा भाई, दिलहरण महंत को रिश्तेदार और पनिका दास को अपना मामा बताते हुए रिश्ते की बात की।

अरविंद ने बताया कि वह रायगढ़ में रहता है और उसकी रेलवे में नौकरी है। परिवार वाले भी इनके झांसे में आ गए और रिश्ता तय होने के बाद शादी भी हो गई। दहेज के रूप में अरविंद ने पहले ही कह दिया था कि जो भी देना है कैश में दे देना। युवती के पिता ने दहेज के रूप में 10 लाख रुपए कैश दिया। शादी के कुछ दिन बाद अरविंद अपने ससुराल ही आ गया और मां की तबीयत खराब होने की बात कहकर अपने ससुर से 3 लाख 80 हजार रुपए ले लिए। इसके बाद वह अपनी पत्नी को छोड़कर भाग गया। दोनों की शादी के बाद एक बच्ची भी है। इसके बाद उससे कभी संपर्क भी नहीं हुआ।

युवती ने अपने पति अरविंद से संपर्क करने का काफी प्रयास किया लेकिन उसका कुछ भी पता नहीं चला। इसके बाद भी युवती ने हिम्मत नहीं हारी और अपनी तलाश जारी रखी। इस दौरान युवती को पता चला कि जिस शख्स से उसने शादी की थी उसने पूरा नकली परिवार क्रिएट किया था। शादी में दहेज के नाम पर मिले और मां के इलाज के नाम पर 13.8 लाख रुपए ठगी कर भाग गया। इसके बाद युवती ने इसकी शिकायत दर्ज कराई।

जेडी पैसेंजर के इंजन में लगी भीषण आग, बाल-बाल बचा लोको पायलट

रायगढ़। गोंदिया से झारसुगुडा के बीच चलने वाली जेडी पैसेंजर के इंजन में बीती रात भयानक आग लग गई। जब आग लगी तब ट्रेन बृजराज नगर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर पहुंच चुकी थी। जैसे ही आग भड़की स्टेशन पर अफरा तफरी मच गई। इस हादसे में लोको पायलट बाल बाल बचा। इसके बाद स्टेशन पर ही आग पर काबू पाया गया। हादसे के कारण जेडी पैसेंजर के इंजन के आगे का हिस्सा पूरी जल गया है।

मिली जानकारी के अनुसार गोंदिया से झारसुगुडा पैसेंजर के इंजन में मंगलवार रात को आग लग गई। ट्रेन ब्रजराज नगर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर पहुंची तब यह हादसा हुआ। हादसे के समय में ट्रेन में लोको पायलट व सहायक लोको पायलट सहित सैकड़ों यात्री सवार थे। अचानक आग भड़कने से लोको व सहायक लोको ट्रेन से उतर गए। प्लेटफॉर्म पर होने के कारण कोई भी हताहत नहीं हुआ है।

बताया जा रहा है कि ट्रेन जब बृजराजनगर रेलवे स्टेशन के आउटर में पहुंची तभी इंजन से धुआं निकल रहा था। इस दौरान लोको पायलट ने इंजन में रखे फायर इक्कीपमेंट से आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। इसके बाद उसने स्टेशन मास्टर को सूचना दी। ट्रेन को स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर ले जाया गया जहां पहले से फायर इक्कीपमेंट के साथ कर्मचारी खड़े थे। सभी ने मिलकर आग पर काबू पा लिया। ट्रेन के यात्रियों को पीछे से आ रही उत्कल एक्सप्रेस से रवाना किया गया।

बाइक से टक्कर, बहनोई-साले की मौत

मस्तूरी थाना क्षेत्र के ग्राम भिलाई के पास हुई घटना, बहन व युवक गंभीर

बिलासपुर (ए)। तेज रफ्तार बाइक ने सामने से दूसरी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बहनोई-साले की मौत हो गई। वहीं बहन व दूसरे बाइक में सवार युवक गंभीर रुप से घायल हो गए। घटना मस्तूरी थाना क्षेत्र के ग्राम भिलाई के पास की है। सीपत थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़पार निवासी सूरज पटेल पिता रामरतन पटेल (43) मंगलवार को एरमसाही निवासी अपनी बहन शिवकुमारी पटेल व बहनोई श्यामलाल पटेल को बाइक में बिठाकर बिलासपुर आया था। यहां बहन का इलाज कराने के बाद दोपहर तीनों बाइक से एरमसाही जा रहे थे। करीब 12.45 बजे श्यामलाल, सूरज व शिवकुमारी ग्राम भिलाई स्थित तालाब के पास पहुंचे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में सूरज व बहनोई श्यामलाल की मौके पर मौत हो गई। वहीं शिवकुमारी व दूसरी बाइक में सवार युवक घायल हो गया। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बेमेतरा (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

ऑनलाईन निविदाएं प्रपत्र-ए में प्रतिशत दर पर अनुबंध हेतु नीचे उल्लेखित कार्य के लिये छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में एकीकृत पंजीयन व्यवस्था में श्रेणी-डी एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है.

कार्य का विवरणः- बेमेतरा जिले के विकासखंड साजा के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत एकल ग्राम (खम्हरिया समूह) नलजल योजनाओं के अंतर्गत UPVC pipe 6kg पाईप लाईन जोड़ने, उच्चस्तरीय जलागार निर्माण, बाउण्ड्रीवॉल, क्लोरीनेटर सिस्टम, क्लोरीनेटर रुम, इलेक्ट्रीसिटी कनेक्शन, घरेलू नल कनेक्शन इत्यादि दिये गये शेड्यूल के अनुसार.

स.क्र. नम्बर	सिस्टम सू.क्र.	निविदा	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	111833	112	बोरिया एकल ग्राम नलजल योजना	51.76
2	111834	113	उरैहा एकल ग्राम नलजल योजना	58.00
3	111835	114	कंदई (एन) एकल ग्राम नलजल योजना	58.73
4	111836	115	खैरा एकल ग्राम नलजल योजना	58.88
5	111837	116	रेंगा एकल ग्राम नलजल योजना	60.29
6	111838	117	सौंवरी एकल ग्राम नलजल योजना	60.77
7	111839	118	बनियाडीह एकल ग्राम नलजल योजना	66.12
8	111840	119	भुसण्डी एकल ग्राम नलजल योजना	69.93
9	111841	120	सुखाताल एकल ग्राम नलजल योजना	73.43
10	111843	121	ठरकपुर एकल ग्राम नलजल योजना	76.94
11	111844	122	करमू एकल ग्राम नलजल योजना	86.31
12	111845	123	बोड़ एकल ग्राम नलजल योजना	87.50
13	111846	124	तेन्दों एकल ग्राम नलजल योजना	87.84
14	111847	125	दर्री एकल ग्राम नलजल योजना	93.83
15	111848	126	गुवारा एकल ग्राम नलजल योजना	94.02
16	111849	127	अकोला एकल ग्राम नलजल योजना	94.35
17	111856	128	कुरदा एकल ग्राम नलजल योजना	111.79
18	111857	129	बेलगांव एकल ग्राम नलजल योजना	121.69
19	111858	130	बीजा एकल ग्राम नलजल योजना	125.66
20	111859	131	हाटरांका एकल ग्राम नलजल योजना	125.80
21	111860	132	नवागांवकला एकल ग्राम नलजल योजना	126.13
22	111861	133	खाती एकल ग्राम नलजल योजना	139.98
23	111862	134	टिपनी एकल ग्राम नलजल योजना	164.09

1. बिड प्रारंभ की तिथि - 19.10.2022
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि - 04.11.2022

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई- प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 19.10.2022 से देखे जा सकते हैं.

जी-95088/6

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बेमेतरा (छ.ग.)

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 13.10.2022

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(द्वितीय आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 28.10.2022 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
198 / 112037	उपसंभाग क्रं 2 दुर्ग के अंतर्गत आने वाले आवासीय भवनों में रंगाई पोताई कार्य।	78.97
199 / 112038	उपसंभाग क्रं 2 दुर्ग के अंतर्गत आने वाले गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई कार्य।	59.66
200 / 112039	राजनांदगांव संभाग के अंतर्गत ट्रफिक साइन बोर्ड, चिन्ह साईन बोर्ड, ओव्हर हेड साईन बोर्ड एंव रोड मार्किंग कार्य।	53.78

टीप

1. एन.आई.टी.क्रं. 198 एवं 199 लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग से संबंधित है एवं एन.आई.टी.क्रं. 200 लोक निर्माण विभाग राजनांदगांव संभाग राजनांदगांव से संबंधित है।
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

जी-95131/3

अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग दूरभाष- 0788-2210876

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

गोधन न्याय केंद्रों में तैयार हो रहे हैं गोबर से निर्मित दीए

अपने अलग गुणवत्ता से पहचाने जाते हैं गोधन निर्मित दीया, मिलने लगे आर्डर और होने लगी बिक्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। गोधन निर्मित दीया अब भिलाई निगम क्षेत्र अंतर्गत गोधन न्याय केंद्र एवं गौठान में तैयार हो रहे हैं। महिलाएं दीया बनाने में जुट गई है। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी गोधन निर्मित दीया अपने प्रकाश से शहर के घरों को रौशन करेगा। महिलाओं के पास अभी से दीया के लिए ऑर्डर आने लगे हैं और बिक्री भी होने लगी है। दीया की डिमांड इतनी है कि हाथों-हाथ बिक्री हो रही है।

शहरी गौठान में जीवन ज्योति और शिव शक्ति महिला समूह के द्वारा दीया निर्माण का कार्य किया जा रहा है। यह समूह मिलकर दीया का निर्माण कर रही है। दीया निर्माण के लिए मशीनों की भी सहायता ली जा रही है ताकि अधिक से अधिक डिमांड की पूर्ति की जा सके। प्राप्त ऑर्डर के अनुरूप महिलाए दीया का निर्माण कर रही है। स्व सहायता समूह की महिला पूनम साहू ने बताया कि बहुत से दीया की बिक्री हो चुकी है तथा कई सारे आर्डर मिल चुके हैं जिसमें से सूर्या विहार से 500 आर्डर, रायपुर से 1200 दीया का ऑर्डर, रिसाली से 300 दीया का आर्डर तथा गांधी नगर सरकारी स्कूल से 150 दीया का ऑर्डर मिला है इसके अलावा भी लगातार दीया खरीदने के लिए लोग पहुंच रहे हैं। गोधन से निर्मित डेकोरेटिव दीए भी तैयार किए जा रहे हैं। अपने आकर्षक रंगों, क्वालिटी एवं स्थानीयता की वजह से गोधन निर्मित दीया की मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। यह दीया पूर्ण रूप से इको फ्रेंडली है जिसे एक बार उपयोग करने के पश्चात खाद के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है। गोधन निर्मित दीया खरीदने आए मोहन पांडे ने बताया कि चाइनीस झालरो से अच्छा है कि स्थानीयता एवं संस्कृति को अपनाते हुए गोधन निर्मित दीया का उपयोग किया जाए और इससे ही घर रोशन किया जाए, पारंपरिक त्यौहार में प्रकृति से जुड़ने का भी मौका मिलता है। खुर्सीपार में गोधन निर्मित दीया खरीदने आए हुए सोमेश निषाद ने दीया खरीदते हुए बताया कि उन्होंने त्यौहार को देखते हुए गोधन से निर्मित दीया की खरीदारी की है इको फ्रेंडली होने के कारण इस दीया का उपयोग त्योहार के लिए करेंगे। उल्लेखनीय है कि दीपावली पर्व के त्यौहार को देखते हुए गोधन निर्मित दीया का निर्माण किया जा रहा है।

खास - खबर

टीएल बैठक में शिकायतों के निराकरण को लेकर आयुक्त ने दिए निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त कक्ष में साप्ताहिक समयावधि पत्रों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे आयुक्त लोकेश चंद्राकार ने निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। इस दौरान लापरवाही बरतने पर कार्रवाई के लिए भी आयुक्त ने कहा है। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई व पीजीएन समाधान के लंबित प्रकरणों का निराकरण अधिकारी प्राथमिकता से करें। आयुक्त ने विभागीय अधिकारियों से सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई, समयसीमा,पीजीएन,1100 निदान कलेक्टर जनचौपाल सहित लंबित शिकायतों पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि सभी विभाग लक्ष्य निर्धारित कर त्वरित गति से शिकायतों का निराकरण करें। कोई भी प्रकरण लंबित न हो एवं हर विभाग में सभी स्तर की शिकायतों का एक पृथक रजिस्टर हो ऐसा सुनिश्चित करें।शिवनाथ नदी के आस पास रहने वालों को नोटिस जारी कर वहाँ से सभी को हटवाए।गौठान निर्माण के लिए कहा कि गौठान के निर्माण कार्य धीमी है इस पर नाराजगी जताई। गौठान के अधूरे कार्यो को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए निर्देश अधिकारियो को दिए।

बार एवं रॉड मिल ने बनाया नया पाली कीर्तिमान

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के बार एवं रॉड मिल ने 10 अक्टूबर 2022 को द्वितीय पाली में 10 एमएम टीएमटी बार में 462 बिलेट (966 टन) का उत्पादन कर नया पाली कीर्तिमान बनाया। इसके पूर्व 10 एमएम टीएमटी बार में पाली उत्पादन का कीर्तिमान 08 फरवरी 2022 को 449 बिलेट (929 टन) का था। मुकेश गुप्ता के मार्गदर्शन में एवं पाली प्रबंधक परिमल के नेतृत्व में टीम बीआरएम ने पाली उत्पादन का नया रिकॉर्ड बनाने में सफलता प्राप्त की। अनिर्बान दासगुप्ता, कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार ने बीआरएम बिरादरी को नया कीर्तिमान बनाने हेतु बधाई प्रेषित की तथा यह विश्वास प्रकट किया कि बीआरएम की यह टीम इस वर्ष के महती लक्ष्य को सामूहिक प्रयास से प्राप्त कर लेगी एवं नित नए कीर्तिमान भी बनाएगी। बीआरएम बिरादरी को बधाई देते हुए कहा कि मिल के समर्पित साथियों के लगन तथा परिश्रम से ही विभाग उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है।

भिलाई की अदिति बनी जूनियर मिस इंडिया की फर्स्ट फाइनलिस्ट

जनवरी में होने वाले कॉन्टेस्ट में करेगी शिरकत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जूनियर मिस इंडिया कॉन्टेस्ट में मिनी इंडिया भिलाई की अदिति पिल्लई फर्स्ट फाइनलिस्ट बन गई है। डीपीएस स्कूल में कक्षा 9 वीं की छात्रा अदिति ने रायपुर में हुए इस कॉन्टेस्ट में प्रदेशभर के जूनियर गर्ल्स को पीछे छोड़कर अपनी जगह बनाई है। अदिति ने 13 से 15 वर्ष की कैटेगरी में टॉप थ्री में फर्स्ट फाइनलिस्ट बनकर टॉप में जगह बनाई है। मुंबई में अगले साल जनवरी में होने वाले मुकाबले में अदिति प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी।

मां के सपोर्ट से पहुंची टॉप पर

9 वीं की छात्रा ने बताया कि चार साल की उम्र से कॉन्फिडेंस बिल्डिंग कम्युनिकेशन स्किल एंड पर्सनैलिटी डेवलमेंट पर काम करना शुरू कर दिया था। मां मनमीत जग्गी ने इस काम में मेरा बहुत ज्यादा सपोर्ट किया। वो खुद भी पर्सनाल्टी डेवलपमेंट की क्लास नेहरू नगर में चलाती हैं। जिसका पूरा लाभ मुझे मिला। मुंबई में 6 से 8 जनवरी तक होने वाले महामुकाबले के लिए मैंने अभी से तैयारी शुरू कर दी है।

संक्रमण से बचाव के लिए विशेषज्ञों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। चंदूलाल चंद्राकर स्मृति (सीसीएम) शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में इन्फेक्शन प्रिवेंशन वीक (संक्रमण रोकथाम सप्ताह) के अंतर्गत संक्रामक रोगों पर आधारित संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर संक्रमण के प्रकार व इससे बचाव के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। वहीं संक्रमण से बचाव के लिए महज 20 सेकंड की महत्वपूर्ण विधि से होने वाले स्वास्थ्यगत लाभ की जानकारी दी गई।

संक्रमण से बचाव संबंधी प्रयासों को गति प्रदान करने के उद्देश्य से इन्फेक्शन प्रीवेंशन वीक हर साल अक्टूबर महीने के तीसरे सप्ताह में शुरू होता है। इस साल यह 14 से 20 अक्टूबर के मध्य मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में चंदूलाल चंद्राकर स्मृति (सीसीएम) शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम का संयोजन डॉ. ऋचा तिग्गा, डॉ. रश्मिका दवे व डॉ. पी. अनुषा ने किया। माइक्रो बायोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में अधिष्ठाता, अस्पताल अधीक्षक, सभी विभागाध्यक्ष एवं कई चिकित्सक शामिल हुए। इस दौरान विशेषज्ञों ने बताया: कोविड-19 की महामारी के बाद आम लोग भी अब शारीरिक व आसपास के वातावरण की साफ सफाई का महत्व समझने लगे हैं।

इसी तरह संक्रामक रोगों से बचाव के लिए लगभग 20 सेकंड तक चरणबद्ध विधि से साबुन से हाथ धोने या अल्कोहल युक्त सैनिटाइजर का उपयोग करने पर संक्रमण से काफी हद तक बचा जा सकता है। इसके अलावा खांसते और छिंकते समय सावधानियां रखकर कोविड, इन्फ्लुएंजा व स्वसन तंत्र से जुड़े रोगों से बचाव किया जा सकता है।

गोबर से बनी हुई फ्यूजन दीप रंगोली से रौशन करें घर

समूह की महिलाओं ने कलेक्टर को फ्यूज़न दीप रंगोली भेंट कर दी दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की प्रेरणा दायक गोधन न्याय योजना से प्रेरित होकर अब गोठानों के बाहर भी बन रहे हैं, गोबर से कई उपयोगी उत्पाद। इस दीवाली में घरों को रोशन करने समूह की महिलाओं ने गोबर से बनी हुई फ्यूजन दीप बनाया है।

भिलाई में स्थित उड़ान नई दिशा समूह की महिलाओं द्वारा गोबर से फ्लोटिंग दीया, बंदनवार, मोबाईल स्टैंड, हैंगिंग शो-पीस जैसी कई सजावटी उत्पाद बना रही है। आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में समूह की महिलाओं ने कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा को गोबर से बनी फ़्यूज़न दीप रंगोली भेंट कर उन्हें दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि समूह की महिलाओं ने अन्य सजावटी उत्पाद तैयार की हैं जो गुणवत्ता, सुंदरता और हर मायने में उत्कृष्ट हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर गुणवत्ता में मेहनत कर और एकजुट होकर समूह की महिलाओं ने कमाल की चीजें बनाई हैं, यह बाजार की जरूरतों को पूरा करने एवं अपनी गुणवत्ता से आकर्षित करने उपयोगी साबित होंगी।

समूह की अध्यक्ष श्रीमती नीधि चंद्राकर ने बताया कि समूह के उत्पादों की देश के विभिन्न राज्यों के बड़े शहर नोएडा और पुणे में इस उत्पाद की अच्छी मांग है। उन्होंने बताया कि समूह के द्वारा बनाए गए उत्पाद छत्तीसगढ़ के अलावा राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल सहित देश के अन्य हिस्सों में विक्रय हेतु भेजे जा रहे हैं।

इसके अलावा बड़े शहरों में रंगोली बनाने के लिए जगह का अभाव होता है इसलिए हमने ऐसी रंगोली बनाई है, जिसे आप घर के दरवाजे, टेबल या आंगन पर रख सकते हैं। रंगोली में गोबर से बने दीये भी लगे हैं। जिससे इसकी खुबसूरती में चार-चांद लग जाते हैं।

मेयर नीरज पाल ने आत्मानंद स्कूल का किया निरीक्षण

स्कूल निर्माण के कार्यों की प्रोग्रेस लेकर कार्य शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मेयर नीरज पाल ने आत्मानंद स्कूल श्री राम चौक का निरीक्षण किया। उन्होंने ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप निर्माण कार्य का अवलोकन किया। इस दौरान महापौर परिषद के सदस्य एवं लोक निर्माण विभाग के प्रभारी एकांश बंछोर विशेष रूप से मौजूद रहे।

मेयर ने कहा कि स्कूल बिल्डिंग का निर्माणाधीन कार्य शीघ्र पूर्ण करें और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने आत्मानंद स्कूल के लिए निर्धारित स्ट्रेंथ की जानकारी ली, इसके साथ ही उन्होंने खुर्सीपार क्षेत्र में हो रहे महत्वपूर्ण विकास कार्यों का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि विधायक देवेंद्र यादव एवं महापौर नीरज पाल की पहल से श्री राम चौक में स्वामी आत्मानंद स्कूल परिसर में दो मंजिला भवन का निर्माण कार्य किया जा रहा है जिसमें लाइब्रेरी, प्रयोगशाला, प्रिंसिपल रूम, स्टाफ रूम एवं 11 क्लास रूम तथा बालक और बालिका के लिए शौचालय की व्यवस्था होगी। एक करोड़ उन्चास लाख की लागत से बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है। भवन का पूरा स्ट्रक्चर खड़ा हो गया है, कुछ कार्य शेष हैं जिसे पूरा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त पुराने शाला भवन में सभी कमरों में टाइल्स, प्लास्टर, पुट्टी, पेंटिंग, विद्युतीकरण कराया जा चुका है। टॉयलेट, सेफ्टीक तथा पूर्व से बने कमरों का रिनोवेशन भी किया जा चुका है, प्रथम तल पर सात कमरों का नया निर्माण किया गया है, इस प्रकार से 4 फेस के कार्य पूर्ण हो चुके हैं 1 फेस का काम प्रगति पर है, जिसे मेयर ने अतिशीघ्र पूर्ण करने अधिकारियों को कहा है।

गौरतलब है कि निगमायुक्त रोहित व्यास ने आत्मानंद स्कूल के प्रोग्रेस को लेकर हाल ही में अधिकारियों की समीक्षा की थी और स्कूल के प्रगतिरत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश उन्होंने बैठक में दिए थे। आज निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, कार्यपालन अभियंता संजय बागड़े, सहायक अभियंता अखिलेश चंद्राकर, उप अभियंता नितेश मेश्राम एवं चंद्रकांत साहू आदि मौजूद रहे।

पॉश कॉलोनी की बेहतर सफाई व्यवस्था के लिए बनेगा प्लानः शशि सिन्हा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली की महापौर शशि अशोक सिन्हा इंटरनेशनल कॉलोनी तालपुरी पहुंची। नागरिकों से रूबरू होकर समस्याओं से अवगत हुई। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि वे जल्द ही तालपुरी में बेहतर सफाई के लिए प्लान तैयार कर धरातल पर उतारेंगी।

निगम क्षेत्र में चल रे विकास कार्य और लोगों की समस्याओं को दूर करने महापौर शशि सिन्हा वार्ड भ्रमण कर रही है। मंगलवार को वार्ड एक तालपुरी के नागरिकों से मुलाकात की। निगम की ओर से मिलने वाली सुविधाओं के बारे में पूछताछ की।

नागरिकों का कहना था कि तालपुरी में ए व बी ब्लाक की दूरी काफी ज्यादा है।

रोटेशन में गार्डन की सफाई हो रही है, अगर गार्डन का रख रखाव अलग-अलग हाथों से कराया जाए तो यहां की तस्वीर वर्तमान से ज्यादा अच्छी होगी। महापौर ने समस्याओं को दूर करने अलग से प्लान तैयार कर उसे अमल में लाने की बात कही। नागरिकों ने स्ट्रीट लाइट व्यवस्था दुरूस्त नहीं होने की शिकायत महापौर से की। वार्ड भ्रमण के दौरान पार्षद सविता ढवस, ब्लाक कांग्रेस के मुकुंद भाऊ, चन्द्रकांत कोरे, एल्डरमेन, संध्या वर्मा, अजीत कुमार यादव, प्रेम साहू, अमनदीप सोढ़ी आदि उपस्थित थे।

समय निर्धारित करे

तालपुरी के नागरिकों का कहना था कि ए व बी ब्लाक में पेयजल आपूर्ति निगम द्वारा किया जा रहा है। ओवर हेड भराव समय पर नहीं होने की वजह से नल खुलने का समय निश्चित नहीं रहता। इस समस्या को प्रमुखता से निराकरण करने की बात कही।

महापौर को देख नागरिकों की बंधी आस

बीज निगम क्षेत्र में 30-35 परिवार ऐसे है जो समस्याओं के बीच जीवन यापन कर रहे है। नागरिकों का कहना था कि उनके बीच पहली बार जनप्रतिनिधि पहुंची है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950